हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 20 अप्रैल 2025

प्रशासनिक फेरबदल में सीएम साय की दिखी दक्षता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि तत्काल

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने शनिवार को अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। खास बात यह रही कि सरकारी अवकाश के दिन हुए फेरबदल की किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। शनिवार शाम अचानक 41 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी हो गई। सरकार ने वर्तमान के साथ भविष्य का ख्याल रखा है। मुख्य सचिव आगामी जून में रिटायर होंगे। उससे पहले सरकार ने सचिव स्तर के अधिकारियों को अप्रभावित रखा है। ढाई माह बाद नए मुख्य सचिव की नियुक्ति होनी है। जो नए मुख्य सचिव आएंगे वे ही विभागों में सचिवों को प्रशासनिक दक्षता के आधार पर नियुक्त करें। मुख्य सचिव अमिताभ जैन अभी जिन अफसरों के साथ काम कर रहे हैं, वे उनकी दक्षता के आधार पर काम का अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में शासन की ओर से इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया ⏭शेष पेज 8 पर

अवनीश, किरण, संजय, मयंक दिव्या पर जताया सरकार ने भरोसा

प्रशासनिक फेरबदल जिन अफसरों ने अच्छा काम किया है उन्हें बड़ा जिला या बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें राजनांदगांव कलेक्टर संजय अग्रवाल को बिलासपुर का कलेक्टर बनाया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से बिलासपुर महत्वपूर्ण जिला माना जाता है। मयंक चतुर्वेदी को दंतेवाड़ा जिले में काम के अंदाज को देखते हुए उनको रायगढ़ पदस्थ किया गया हैं। रायगढ़ ओपी चौधरी का गृह जिला एवं औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। किरण कौशल को एमडी मार्कफेड ⏭शेष पेज 8 पर

11 कलेक्टर समेत 41 आईएएस का तबादला

- परफारमेंस को दी तवज्जो, अच्छा काम करने वालों को बड़ी जिम्मेदारी
- राजस्व विभाग पर फोकस, कावरे से अतिरिक्त प्रभार वापस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शनिवार शाम सरकार ने राज्य शासन ने 41 आईएएस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी कर दिया। 11 जिला कलेक्टरों के तबादले किए गए हैं। आयुक्त बिलासपुर के पद पर सुनील जैन को पदस्थ करते हुए रायपुर आयुक्त महादेव कावरे से अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया है। परफारमेंस को देखकर सरकार ने तबादलों की लंबी सूची जारी की है। अफसरों को बेहतर कार्य का इनाम मिला है तो कुछ को लूप लाइन में भेजकर संदेश दिया है।

टोपेश्वर वर्मा सदस्य राजस्व मंडल तथा अतिरिक्त प्रभार अध्यक्ष राजस्व मंडल को अब अध्यक्ष राजस्व मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है। संयोग है कि उच्च शिक्षा विभाग ने अधिकारियों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। वह भव्य होटल में आयोजित था। उसे लेकर आलोचना हो रही थी। ⏭शेष पेज 8 पर

किरण कौशल एमडी मार्कफेड-नान

किरण कौशल आयुक्त चिकित्सा शिक्षा को प्रबंध संचालक मार्कफेड के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी नागरिक आपूर्ति निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। केडी कुंजाम सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार ओएसडी राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, संचालक मुद्रण एवं लेखन सामग्री को सदस्य राजस्व मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है। पदुम सिंह एल्मा आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, एमडी अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम को संचालक महिला एवं बाल विकास के पद पर पदस्थ किया गया है।

रजत बंसल आयुक्त मनरेगा

रजत बंसल आयुक्त मनरेगा तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विशेष सचिव सुशासन एवं अभिशरण विभाग को संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी छग राज्य खनिज विकास निगम, विशेष सचिव सुशासन एवं अभिशरण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

दिव्या उमेश मिश्रा कलेक्टर बालोद

दिव्या उमेश मिश्रा संचालक लोक शिक्षण तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, मिशन संचालक राज्य साक्षरता को कलेक्टर बालोद के पद पर पदस्थ किया गया है। संजय अग्रवाल कलेक्टर राजनांदगांव को कलेक्टर बिलासपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल कलेक्टर बालोद को कलेक्टर खैरागढ़-छईखदान-गंडई के पद पर पदस्थ किया गया है। कुंदन कुमार आयुक्त गृह निर्माण मंडल तथा अतिरिक्त प्रभार सीईओ रायपुर विकास प्राधिकरण को कलेक्टर मुंगेली के पद पर पदस्थ किया गया है। नुपूर राशि पन्ना सीईओ छग राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी को कलेक्टर कोंडागांव के पद पर पदस्थ किया गया है। राहुल देव कलेक्टर मुंगेली को संचालक कृषि विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव कृषि विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दीपक कुमार अग्रवाल कलेक्टर गरियाबंद को नियंत्रक खाद्य एवं औषिधि प्रशासन के पद पर पदस्थ किया गया है। संजय कन्नौजे सीईओ कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ के पद पर पदस्थ किया गया है। भगवान सिंह उईके अपर ⏭शेष पेज 8 पर

फाइव स्टार होटल में विदाई समारोह पड़ा भारी हटाए गए जेपी पाठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में लिए जाने पर आयुक्त उच्च शिक्षा के विदाई समारोह का आयोजन शहर के एक फाइव स्टार होटल में 21 अप्रैल को रखा गया था। आयोजन का आमंत्रण बंटने के साथ ही इसकी जानकारी सरकार के स्तर पर पहुंची। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं अभी इस विभाग को देख रहे हैं। जानकारी मिलते ही इस पर आपत्ति होने पर इस कार्यक्रम को स्थगित किए जाने की सूचना शनिवार को ही जारी की गई। शाम को प्रशासनिक फेरबदल में कार्यक्रम के आयोजक आयुक्त उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ अफसर जनक प्रसाद पाठक को विभाग से हटा दिया गया।

■ मुख्यमंत्री कार्यालय की नाराजगी के बाद कार्यक्रम हुआ स्थगित

मिली जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. को केंद्रीय प्रतिनियुक्त में संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय के पद पर पदस्थ किया गया है। केंद्र का पत्र आने के साथ ही राज्य शासन ने उन्हें यहां से कार्यमुक्त करते हुए भारती दासन को सचिव उच्च शिक्षा के पद ⏭शेष पेज 8 पर

हटाए गए अधिकारी

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा आपत्ति किए जाने पर कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। वहीं शनिवार शाम को जारी प्राशासनिक फेरबदल में सबसे पहला नाम आयुक्त उच्च शिक्षा श्री पाठक का ही था। उनके स्थान पर डॉ. संतोष कुमार देवांगन को आयुक्त उच्च शिक्षा का प्रभार दिया गया है।

चेन्नई की पहली एसी ईएमयू सेवा शुरू

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत पहली एसी ईएमयू शनिवार को चेन्नई बीच-चेंगलपट्टू कॉरिडोर पर चली। यह

उपनगरीय रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे अक्सर शहर और इसके आसपास के शहरों की परिवहन जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है। यह ट्रेन नियमित ईएमयू रेक की तुलना में अधिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिनमें स्वचालित दरवाजे और यात्री सूचना प्रणाली शामिल हैं। पहली ट्रेन सुबह सात बजे चेन्नई बीच से चेंगलपट्टू के लिए रवाना की गई और उत्सुक यात्रियों ने यात्रा का आनंद लिया।

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

दिल्ली 203/8 vs गुजरात 204/3

7 विकेट से जीता गुजरात

97* रन : जोस बटलर

प्लेयर ऑफ द मैच

लखनऊ 180/5 vs राजस्थान 178/5

2 रन से जीता लखनऊ

3 विकेट : आवेश खान

प्लेयर ऑफ द मैच

आज के मैच

पंजाब vs बेंगलुरु

समय : दोपहर 3.30 बजे

आज के मैच

चेन्नई vs मुंबई

समय : शाम 7.30 बजे

19- APR- COR- MAIN- Pg- 2 FULL PAGE_Layout 1 4/19/2025 9:51 PM Page 1

बिलासपुर, रविवार 20 अप्रैल 2025 वैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी | वर्ष : 25, अंक : 29 | पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00*** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

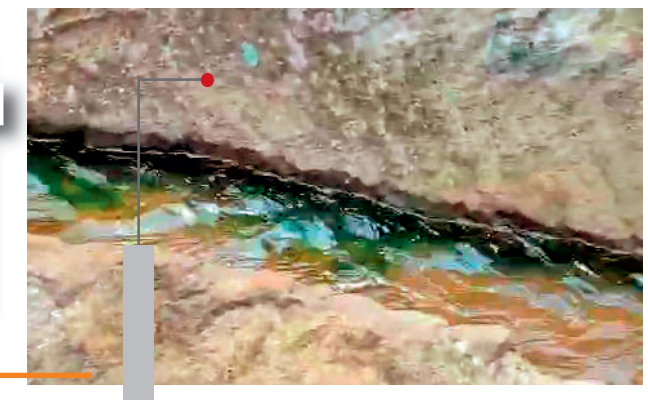

रविकांत सिंह राजपूत की विशेष रिपोर्ट

80 परिवारों ने नहर से गांव तक पानी लाने का रास्ता बनाया, लकड़ियों से बनाए पाइप

जीवन के लिए ग्रामीणों का जल मिशन, एक किमी तक लकड़ी की पाइप बिछाकर हर घर तक पहुंचाया पानी

जल जीवन मिशन पूरे प्रदेश के गांव-गांव में पानी पहुंचाने का काम कर रहा साठ फीसदी गांवों में पानी पहुंचा भी है। लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं जहां अब तक पानी नहीं पहुंच पाया। वहां भीषण गर्मी में समस्या है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि मिशन का पानी उनके गांव पहुंचे और प्यास बुझे। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने इंतजार नहीं किया। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के बैरागी गांव के लोगों ने ऐसा ही किया। गांव में पानी की समस्या से निपटने के लिए ग्रामीणों ने बिना किसी सरकारी सहायता के अपने स्तर पर समाधान ▶▶|शेष पेज 8 पर

आईएनएच विशेष

- सरकारी मदद की उम्मीद छोड़ी, इंतजार करने की जगह खुद पहल की, अब पानी ही पानी

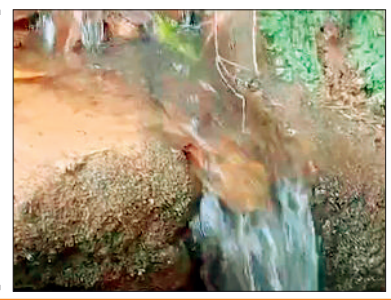

संगठित कर पानी का प्रबंधन

इस जुगाड़ से गांव के हर घर तक पानी पहुंचाया जा रहा है। जिस घर में पानी की जरूरत होती है, उस तरफ पानी का रुख मोड़ दिया जाता है। गांव के लोग इस पानी का उपयोग घरेलू कामों के साथ-साथ खेती-किसानी में भी कर रहे हैं। लगभग 300 की आबादी वाले इस गांव में लोगों ने जल संकट का स्थायी समाधान निकाला है। गांव के लोग खुद को पीएचई विभाग की तरह संगठित कर पानी का प्रबंधन कर रहे हैं।

गांव वालों की अथक मेहनत का प्रयास है कि आज सभी के घरों में पानी की उपलब्धता है। मेरी सरकार से मांग यही है कि जैसे अभी लकड़ी के पाइप से पानी आ रहा है इसका पक्का निर्माण कर हमेशा के लिए व्यवस्था की जाए।

रामप्रसाद, सरपंच

ग्रामीणों की पहल काबिले तारीफ है। ग्रामीणों ने लकड़ी के पोल से हर घर तक पानी पहुंचाने का कार्य किया है। यहां की विधायक होने के नाते मैं यहां के लोगों को भरोसा दिलाती हूं कि डबल इंजन सरकार के जरिये यहां लकड़ी के पोल से नही, जल्द ही पाइपलाइन के जरिए गांव में पानी पहुंचेगा।

रेणुका सिंह, विधायक भरतपुर सोनहत

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

छात्रों को शराब देने का वीडियो वायरल, शिक्षक सस्पेंड

कटनी। कटनी जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक द्वारा अपने छात्रों को कथित तौर पर शराब दिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। बरवारा ब्लॉक के खिरहनी गांव में सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक लाल नवीन प्रताप सिंह का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आया।

जेसीबी मशीन खाई में गिरने से दो की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शिमला के निकट एक जेसीबी मशीन के खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान पंजाब के रूपनगर जिले के निवासी सुखदेव सिंह राणा (31) और किन्नौर जिले के हरिनाम सिंह (30) के रूप में हुई है।

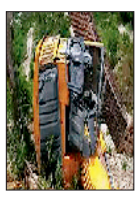

बच्चे पर भौंकने पर कुत्ते को कार से घसीटा, गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने शनिवार को बताया कि कुत्ते को कार से बांधकर तीन किलोमीटर तक घसीटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। कुत्ते की मालकिन शोभा रानी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, घटना बुधवार को ग्रेटर नोएडा के नयी बस्ती इलाके में हुई।

विवाह समारोह में भोजन करने से 100 बीमार

मंदसौर। मप्र के मंदसौर में एक विवाह समारोह में 'रसमलाई' खाने से 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। फतेहगढ़ में यह समारोह आयोजित किया गया था, जिसके बाद अगले दिन करीब 100 लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। खाद्य विषाक्तता के कारण गांव के कुल 45 लोगों का इलाज किया जा रहा है।

मप्र कान्हा रिजर्व में बाघिन मृत पाई गई

मंडला। मप्र के मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघिन मृत पाई गई है। रिजर्व के 'फील्ड डायरेक्टर' रवींद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार को केटीआर के किसली रेंज के अंतर्गत जामुन टोला इलाके में बाघिन का शव देखा गया। उन्होंने बताया कि बाघिन के शव के अंग पूरी तरह सुरक्षित पाए गए।

सुकमा के पहले नक्सल मुक्त गांव की कहानी, हरिभूमि-आईएनएच ने जाना हाल

नीम के पेड़ के नीचे लगती थी जन अदालत, 10 से ज्यादा को दी मौत की सजा, अब वहां सुकून!

सुकमा मुख्यालय से 43 किलोमीटर दूर बसा है बड़े सेट्टी गांव। यह सुकमा जिले का पहला ऐसा गांव हैं जिसे नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। हरिभूमि-आईएनएच की टीम गांव पहुंची। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। नक्सलियों की क्रूरता की कहानियां गांव की फिजा में अभी भी महसूस होती हैं। ग्रामीणों के चेहरे बताते हैं कि कागजों में भले ही गांव नक्सल मुक्त हो गया हो लेकिन उनके दिल और दिमाग से खौफ से मुक्ति में वक्त लगेगा।

कोंटा से रफीक खान और जीवानंद हालदार की रिपोर्ट

नक्सलियों की क्रूरता की कहानियां गांव वालों की वो नीम का पेड़ जहां अक्सर नक्सली आकर अपनी अदालत लगाया नक्सलियों ने जन अदालत लगाकर दस से ज्यादा को मौत के घाट उतार दिया करते थे।

हरिभूमि-आईएनएच टीम गांव पहुंची। गांव की आबादी 17 सौ है और वोटर 14 सौ हैं। गांव तक जाने के लिए सड़क बन गई है लेकिन पंचायत के कामकाज के लिए पंचायत भवन नहीं है। गांव में सक्रिय 11 नक्सलियों ने जब हथियार डाल दिए तो ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर दिया। बड़े सेट्टी नक्सलियों का जंक्शन था। दंतेवाड़ा जिला के कटेकल्याण ब्लॉक से लगा यह सरहदी ग्राम पंचायत बडेसेट्टी राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 25 किलोमीटर के अंदर बसा हुआ है। इसलिए यह गांव नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। कभी नक्सली संगठन का कॉरीडोर था, अब नक्सल मुक्त गांव बड़ेसेट्टी हो गया है।

इसी पेड़ के नीचे लगती थी जनअदालत

नक्सली कहते थे हम ही तुम्हारी सरकार

नक्सली ग्रामीणों की बैठक लेकर कहते थे कि हम ही तुम्हारी सरकार हैं। हमारी नीतियों पर ही रहना और चलना होगा। जिन्होंने उनकी बात नहीं मानी उन्हें जन अदालत लगाकर मार दिया गया। ग्रामीण नीम के पेड़ की ओर इशारा कर बताते हैं-यहां दर्जनों बार जन अदालत लगाई गई। दस से ज्यादा को सजा दी गई...मौत की सजा। सबके सामने लोगों को मार दिया गया। नक्सली अक्सर लोगों को सजा देते थे।

हरिभूमि खास

बड़ा बाजार बंद करा दिया

बड़े सेट्टी में बड़ा बाजार लगता था। वहां आसपास से बड़ी संख्या में लोग आकर जरूरत की चीजें खरीदते थे। नक्सली वहां उगाही करते और चले जाते। नक्सलियों का आतंक बढ़ता रहा और बाजार से लोग गायब होते रहे। धीरे-धीरे वह बंद हो गया। नक्सलियों ने सरकारी इमारतों को निशाना बनाया। उन्हें ध्वस्त कर दिया। खौफ ऐसा था कि ग्रामीणों को हाजिरी देनी पड़ती थी और गांव में कौन आया और कौन गया, इसकी जानकारी देनी जरूरी थी।

दो दशक पहले छात्रावास स्कूल के भवनों को नक्सलियों ने ध्वस्त किया था

ग्राम पंचायत बड़ेसेट्टी में कुल 7 प्राथमिक शालाएं व 9 आंगनबाड़ी केंद्र सहित एक 50 सीटर बालक छात्रावास एक 50 सीटर बालक आश्रम एवं माध्यमिक शाला संचालित है। वहीं एक छात्रावास निर्माणाधीन है । इस ग्राम पंचायत में पूर्व में संचालित 30 सीटर बालक छात्रावास एवं शिक्षक क्वार्टर को नक्सलियों ने ध्वस्त कर दिया था। वहीं सुरक्षा कैम्प स्थापित होने से पहले नक्सलियों ने इस ग्राम के अनेक ग्रामीणों की हत्याएं की थी। ग्राम पंचायत में निवासरत सभी ग्रामीणों के आय का साधन एक मात्र कृषि कार्य ही है। नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत घोषित होने के बाद अब यह ग्राम पंचायत तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा ऐसा माना जा रहा है। ग्रामीणों का अधिकतर मांग सड़क पुल पुलिया है । गौर करने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीणों के 90 प्रतिशत मकान खपरे से बने हैं।

सुप्रीम कोर्ट के लिए कोठा, फेसबुक पोस्ट वायरल, विधायक ईश्वर ने कहा- मेरे नाम की फर्जी आईडी

- फर्जी आईडी बनाकर कोई गलत पोस्ट कर रहा : साहू
- कांग्रेस ने कहा- सार्वजनिक माफी मांगें, साव बोले- कांग्रेस का हो सकता है प्लान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुप्रीम कोर्ट पर अभद्र टिप्पणी को लेकर साजा से भाजपा विधायक ईश्वर साहू विवादों में आ गए। एक के बाद कई पोस्ट ईश्वर साहू की आईडी से फेसबुक पेज से किए गए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के लिए आपत्तिजनक शब्द 'कोठा' का इस्तेमाल किया है। उनके पोस्ट के बाद छत्तीसगढ़ में सियासी बवाल भी मच गया। कांग्रेस ने इस पर कड़ी आपत्ति करते हुए कहा, विधायक को शर्म आनी चाहिए। उन्हें अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार, ये पोस्ट 24 घंटे पहले की गई है। वहीं इस पोस्ट के बाद विधायक का बयान भी सामने आया है। विधायक ईश्वर साहू ने कहा, मेरे नाम से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ▶▶|शेष पेज 8 पर

कांग्रेस का हो सकता है प्लान : साव

इस मामले में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, कई बार अकाउंट हैक होता है। अकाउंट हैक होना आजकल बहुत आम हो गया है। कांग्रेस इस मामले को तूल दे रही है। यह कांग्रेस का प्लान हो सकता है।

माफी मांगें, भाजपा को भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए : बैज

साजा विधायक के फेसबुक पेज पर की गई इस विवादित पोस्ट को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, उनके फेसबुक अकाउंट से पोस्ट जारी हुई है। न्यायालय के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया है। बीजेपी की मानसिकता इस पोस्ट से देखी जा सकती है। अपने अकाउंट से पोस्ट कर ऐसी टिप्पणी करना सही नहीं है। ईश्वर साहू को माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

विवादों के बीच 483 किलोमीटर का कॉरीडोर सालभर में, 83 किमी घटेगी दूरी, 7 घंटे में पहुंचेंगे विशाखापट्टनम

1. छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश में 19 पैकेज में हो रहा निर्माण
2. छत्तीसगढ़ के 124 किलोमीटर रास्ते में 60 फीसदी से अधिक काम
3. 20 हजार करोड़ की लागत से होगा इकोनॉमिक कॉरीडोर का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरीडोर अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से ज्यादा विवादों की वजह से सुर्खियों में रहा। 20 हजार करोड़ की लागत से बनने वाला सिक्सलेन एक्सप्रेस वे सालभर के भीतर पूरा होने जा रहा है। इसके बाद 483 किलोमीटर के इस हाईवे में रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी महज 7 से 8 घंटे में पूरी होगी। इकोनॉमिक कॉरीडोर के निर्माण के बाद 83 किलोमीटर की बचत होगी। छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश के बीच बनने वाले इस सड़क का निर्माण 50 फीसदी पूरा हो चुका है। तीनों राज्यों में 19 पैकेज में इस ▶▶|शेष पेज 8 पर

अलग खबर

कांकेर में सुरंग कोरापुट में ट्वीन टनल

रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे में कांकेर जिले में केशकाल घाटी के नीचे चार किलोमीटर का सुरंग बनाया जा रहा है। इसी रास्ते में ओडिशा के कोरापुट ▶▶|शेष पेज 8 पर

भेलवाडीह में एक्सप्रेस वे से होगा कनेक्ट

रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे की शुरुआत अमनपुर के भेलवाडीह गांव से होगी। नेशनल हाईवे 30 में राहगीरों को भेलवाडीह से एक्सप्रेस वे में डायवर्ट होना होगा। एक्सप्रेस वे कुरुद, मगरलोड होते हुए कांकेर और कोंडागांव से ओडिशा की सीमा तक जाएगी। विशाखापट्टनम के सुब्बावरम में यह सड़क समाप्त होगी। छत्तीसगढ़ में तीन पैकेज में 124 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

ऑनलाइन बुकिंग करते समय तीर्थयात्री, पर्यटक रहें सतर्क

सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने ऑनलाइन बुकिंग के जरिये विशेष रूप से चार धाम तीर्थयात्रियों और देशभर में पर्यटकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी करने वालों के प्रति लोगों से सतर्क रहने को कहा है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये धोखाधड़ी फर्जी वेबसाइट, भ्रामक सोशल मीडिया पेज, फेसबुक पोस्ट और गूगल विज्ञापनों के जरिए की जा रही हैं।

वेबसाइट की पुष्टि करें

बयान के अनुसार, कोई भी भुगतान करने से पहले हमेशा वेबसाइट की प्रामाणिकता की पुष्टि करें। गूगल, फेसबुक या व्हॉट्सएप पर प्रायोजित या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से पहले सत्यापित करें।

महाराष्ट्र की सियासत में नई हलचल

19 साल बाद मिले सुर, उद्धव और राज में पिघली 'रिश्तों की बर्फ'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। इसकी वजह है राज ठाकरे का एक बयान। दरअसल, महेश मांझरेकर के साथ एक पॉडकास्ट में राज ठाकरे ने एक बयान दिया, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के अस्तित्व के सामने ये सब झगड़े छोटे नजर आते है, साथ में आना ये कोई कठिन बात नहीं है, लेकिन सवाल इच्छा का है। इसके बाद सियासी हलकों में ये सवाल उठने लगा कि क्या उद्धव और राज ठाकरे साथ आ रहे हैं? उधर, राज ठाकरे के बयान पर ▶▶|शेष पेज 8 पर

उद्धव ने कही यह बात

उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के हित के लिए अब सभी मराठी लोग तय करें कि भाजपा के साथ जाना है या हमारे साथ? लेकिन एकनाथ शिंदे की गद्दार सेना का साथ नहीं लेंगे। महाराष्ट्र का हित बस यही एक मेरी शर्त है। आप लोग तय करें कि किसके साथ जाना है।

राज ठाकरे की शर्तें

उद्धव ने राज ठाकरे को लेकर कहा कि पहले आप ये तय कर लें कि मैं महाराष्ट्र के हित से समझौता नहीं करूंगा। न ही ऐसे लोगों को अपने घर बुलाऊंगा, न उनके घर जाऊंगा। न मंच साझा करूंगा। ऐसे लोगों की आवभगत नही करूंगा। उनके साथ नहीं बैठूंगा।

महाराष्ट्र के दुश्मन को अपने घर में जगह न दें : राउत

वहीं, उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि राज ठाकरे ने कहा है कि अगर दोनों भाइयों के बीच कोई शिकायत है, तो मैं अपना अहंकार अलग रखूंगा और महाराष्ट्र के सर्वोत्तम हितों के लिए शिकायत दूर करूंगा, जिस पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम भाई हैं और हमारे बीच कोई शिकायत नहीं है। अगर कोई है, तो मैं उसे दूर करूंगा।

शाह ने कैसे घटाया वजन, सबके सामने शेयर की अपनी वेट लॉस जर्नी

शरीर के लिए दो घंटे, दिमाग के लिए छह घंटे की नींद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने समुचित नींद, खान-पान पर ध्यान देकर तथा नियमित व्यायाम सुनिश्चित करके अपने स्वास्थ्य और कार्य करने की क्षमता में बहुत बड़ा बदलाव देखा है। उन्होंने अपनी डाइट बदली, नींद के घंटे बढ़ाए और रोजाना एक्सरसाइज की। इससे उन्हें बहुत फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि अब वे बिना किसी दवा और इंसुलिन के स्वस्थ हैं। शाह ने विश्व यकृत दिवस पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से अच्छे स्वास्थ्य के लिए दो घंटे शारीरिक व्यायाम और छह घंटे की नींद लेने की अपील की।

यकृत स्वास्थ्य के महत्व का करें प्रचार

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने औद्योगिक घरानों से यकृत स्वास्थ्य के महत्व का प्रचार करने तथा यकृत के उपचार और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने वाले संस्थानों को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की उज्ज्वला योजना, खेलो इंडिया, 'फिट इंडिया' और पेयजल एवं शौचालय जैसी अन्य योजनाएं सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी हैं।

स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया

शाह ने कहा कि सरकार का स्वास्थ्य बजट 2014 में 37,000 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सेवा की समग्र प्रणाली बनाने के लिए काम किया है।

स्वस्थ रहकर दे सकते हैं ज्यादा योगदान

अमित शाह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहकर वे (युवा) देश के विकास में अधिक योगदान कर सकते हैं। उनका संदेश है कि हर कोई स्वस्थ जीवनशैली अपना सकता है।

मोदी ने भी स्वस्थ भारत की पैरवी की

विश्व यकृत दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए तेल का सेवन कम करने और मोटापे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने जैसे छोटे कदम उठाने का आह्वान किया तथा फिट और स्वस्थ भारत के निर्माण पर बल दिया। हर साल विश्व यकृत दिवस मनाया जाता है जिसके तहत यकृत स्वास्थ्य और बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष का इस दिवस का ध्येय वाक्य है: 'भोजन ही औषधि है।'

19- APR- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 4/19/2025 9:31 PM Page 1

वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ममता सरकार पर सवाल खड़े करती है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का संवैधानिक दायित्व है। दुर्भाग्य यह दिखा कि जब मुर्शिदाबाद दंगे की आग में जल रहा था, हिंदुओं को जान बचाने के लिए मालदा भागना पड़ रहा था, उस दौरान खुद ममता बनर्जी भाजपा व केंद्रीय एजेंसियों पर साजिश के आरोप मढ़ने में व्यस्त थीं। संसद में पास वक्फ संशोधित कानून का आम गरीब हिंदुओं से क्या वास्ता है, जो मुस्लिमों के जुल्म के शिकार हो रहे हैं, हिंदू अपने राज्य में ही शरणार्थी बनने को क्यों मजबूर हो रहे हैं। आखिर कौन लोग हैं जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, उनके खिलाफ हिंसा कर रहे हैं? और इन सबमें ममता सरकार कहां खड़ी है? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरान किया है, इसमें स्थिति चिंताजनक बताई है। क्या सत्ता, राजनीति व वोट बैंक की अंधी दौड़ में एक महिला मुख्यमंत्री ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को भी ताक पर रख दी है? क्या ममता को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है? मुर्शिदाबाद प्रकरण के विश्लेषण पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

नागरिकों की सुरक्षा ममता का दायित्व

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि केंद्र सरकार राज्य की भूमिका पर सीधे तौर पर उंगली उठा रही है। बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा राज्य की राजनीति पर कई सवाल खड़े कर रही है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बंगाल में हिंसा की बढ़ती घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि पूरे मामले में राज्य की भूमिका दायित्व निभाने में विफल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा, जिन्हें जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सीमा पार से योजनाबद्ध घुसपैठ और धर्म आधारित हमलों की नई श्रृंखला की शुरुआत है? या पश्चिम बंगाल में वोटबैंक के लिए राजनीतिक लड़ाई है?

विस चुनाव पर असर डालेगी हिंसा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। बीजेपी इसे 'कानून व्यवस्था' और 'संवैधानिक अधिकारों' का मुद्दा बनाकर जनता को लामबंद करने की कोशिश कर रही है, वहीं टीएमसी इसे बीजेपी की 'ध्रुवीकरण की साजिश' बता रही है। इन घटनाओं का असर बंगाल ही नहीं, बल्कि झारखंड, बिहार और असम जैसे पड़ोसी राज्यों की राजनीति पर भी पड़ सकता है। मुर्शिदाबाद की घटना केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राजनीतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक अधिकारों की भी परीक्षा है। प्रशासन ने हालात को काबू में बताया है, लेकिन स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या यह मामला राजनीतिक हथियार बनकर रह जाएगा या इसे सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा।

मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

इस हिंसा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि देश के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन कहीं भी स्थिति मुर्शिदाबाद जितनी हिंसक नहीं हुई। हालांकि, ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि राज्य में नया वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा जिस पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और

बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि बंगाल में 'हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर, नाजुक है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक कर वक्फ संपत्तियों की रक्षा करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक ममता सरकार है राज्य में इस कानून को लागू नहीं होने देगी। दीदी का यह रुख उनके 30 फीसदी मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही बीजेपी

वहीं, बीजेपी राज्य में काफी ताकत लगा रही है। अगले साल होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी राज्य में ममता सरकार की खामियों को उजागर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी को लगता है कि यदि हिंदू मतदाता इस घटना को लेकर एकजुट होते हैं, तो यह टीएमसी के लिए राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों में जहां सुरक्षा और पहचान का मुद्दा संवेदनशील है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे बीजेपी या टीएमसी कितना चुनावी लाभ में बदल पाती है। पश्चिम बंगाल की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की अनुमानित भागीदारी 30 फीसदी है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि सूबे में 33 फीसदी मुस्लिम हैं। मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न देखें तो इस वर्ग के बीच टीएमसी की पकड़ चुनाव दर चुनाव मजबूत हुई है। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडीएस) के मुताबिक 2011 के चुनाव में 35 और 2014 के आम चुनाव में 40 फीसदी मुस्लिमों ने टीएमसी को वोट किया। 2016 के विधानसभा चुनाव में 55, आम चुनाव 2019 में 70 और 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 फीसदी मुस्लिमों का समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को मिला था।

हिंदू वोटर्स के बीच कमजोर हुई टीएमसी

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मजबूत उभार का असर प बंगाल की सियासत पर भी पड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो टीएमसी की पैठ मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत हुई है तो उसके हिंदू वोट में गिरावट आई है। बीजेपी हिंदू वोटबैंक में बड़ी सेंध लगाने में सफल रही है। सूबे के दो विधानसभा चुनावों के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 43 फीसदी हिंदू वोट मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव में तस्वीर उलट गई। 2021 के चुनाव में बीजेपी को हिंदू मतदाताओं में से 50 फीसदी का समर्थन मिला तो वहीं टीएमसी का समर्थन 43 फीसदी से घटकर 39 फीसदी पर आ गया। बहरहाल, मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ भड़की हिंसा ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जहां एक ओर सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन देने में लगी है, वहीं विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था की विफलता और तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में देख रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को कैसे संभालते हैं और राज्य में शांति और स्थिरता कैसे बहाल होती है। राज्य में शांति जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

मुर्शिदाबाद

अर्चना कुमारी

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर फैले तनाव ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, हिंसा और पलायन की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील यह जिला अब वोट बैंक, प्रशासनिक विफलता और सांप्रदायिक संतुलन की सियासत का केंद्र बन गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र की लड़ाई में तब्दील हो गया है। शांति के नाम पर की गई कार्रवाई अब राजनीतिक जमीन की खींचतान का अखाड़ा बन चुकी है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटना तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। एक ओर वह मुस्लिम बहुल जिलों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी ओर हिंदू बहुल क्षेत्रों में बीजेपी के बढ़ते प्रभाव से भी जूझ रही है। ऐसे में एक धार्मिक समूह के भीतर से ही सरकार के खिलाफ प्रतिरोध की भावना उभर आना उसकी रणनीति के लिए खतरनाक संकेत है। 2021 के बंगाल चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी बीजेपी इस बार अधिक आक्रामक रणनीति के साथ उतरने के संकेत दे चुकी है। ऐसे में वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा ने पश्चिम बंगाल की सियासी फिजां में और गर्माहट ला दी है। शिक्षक भर्ती घोटाला और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक बीजेपी को मुर्शिदाबाद हिंसा ने ममता बनर्जी की सरकार को तुष्टिकरण को लेकर कठघरे में खड़ा करने का मौका दे दिया है। बीजेपी ने इस घटना को तुरन्त लपक कर एक 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का उदाहरण बताया और उसकी राष्ट्रीय राजनीति में 'अराजक बंगाल' की छवि को पुष्ट किया। ममता बनर्जी वक्फ को एक मुद्दा बनाना चाहती हैं और तृणमूल कांग्रेस लोगों में संदेश देना चाहती है कि केवल ममता दीदी ही उनकी रक्षा कर सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने इसे लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में हिंदू आबादी घटी

2011 की जनगणना के अनुसार, पूरे देश में हिंदू आबादी में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में 1.94 फीसदी गिरावट आई है। वहीं, मुस्लिम आबादी में 1.77 फीसदी की वृद्धि हो गई है, जो अच्छी खासी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के मुकाबले हैं। बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। आज बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुसलमान हैं।

क्यों बना सियासी अखाड़ा

मुर्शिदाबाद की 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और 30 प्रतिशत हिंदू जनसंख्या है। यह सांख्यिकी हर राजनीतिक दल के लिए रणनीति का अहम हिस्सा बन जाती है। वक्फ अधिनियम को लेकर उपजे विवाद में भी यह तथ्य केंद्र में है। यह सिर्फ धार्मिक या सामाजिक विवाद नहीं, बल्कि एक बड़े वोट बैंक की लड़ाई भी बन चुकी है। शिक्षा में इस जिले की साक्षरता दर केवल 65 फीसदी है और महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। राजनीतिक बहसें चाहे जितनी तीखी हों, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे यहां की जनता की असल चिंता हैं, जो अक्सर इन वाद-विवादों के शोर में दब जाते हैं। आज जब मुर्शिदाबाद की आबादी 90 लाख के करीब है। तो यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या यह जिला अपनी ऐतिहासिक विरासत को पुनः जागृत कर सकता है, या फिर यह लगातार सियासी प्रयोगशाला बना रहेगा? वक्फ विवाद ने एक बार फिर यह दिखाया कि विकास की राह तब तक साफ नहीं हो सकती जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक संवाद का संतुलन न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हिंसा की घटनाएं अक्सर उन इलाकों में केंद्रित होती हैं जहां आर्थिक हताशा और बेरोजगारी अधिक होती है। मुर्शिदाबाद की अर्थव्यवस्था परंपरागत शिल्प, बुनकरी और कृषि पर आधारित है जो पिछले एक दशक से लगातार संकट में है। जब आजीविका के स्रोत क्षीण हो जाते हैं और शासन व्यवस्था अपने ही नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील नहीं रहती तो आक्रोश के लिए कोई भी बहाना पर्याप्त हो सकता है। हिंसा का यह सामाजिक आधार, राजनीतिक उपेक्षा और सांस्कृतिक अस्थिरता तीनों एक साथ मिलकर एक विस्फोटक परिस्थिति तैयार करते हैं। खैर, मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हर कोई चिंतित है। आम आदमी चाहता है कि शांति बनी रहे और जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द मदद मिले। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा ममता बनर्जी सरकार की जिम्मेदारी है।

शासन शून्यता के शिकार हो रहे गरीब हिंदू

दो टूक

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ स्तंभकार

यह प्रथम अवसर नहीं है जब तुच्छ राजनीतिक स्थापना के लिए मुस्लिमों को भड़काकर शासनगत सभ्यता को कुचला गया गया और राष्ट्रव्यापी अराजकतापूर्ण दुर्भावना का असुरक्षित वातावरण बनाया गया। इस बार यह अनुपयोगी खटकर्म पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद तथा समीपस्थ क्षेत्रों में हुआ। तथाकथित वक्फ संशोधन के विरोध में देश के अभाजपाई प्रदेशों में मुस्लिमों की आड़ में जो हिंसा, तोड़फोड़ और हिंदू विरोधी घटनाएं हुई हैं, मुर्शिदाबाद उन घटनाओं का केंद्र स्थल बन गया। यहां गरीब हिंदुओं के निवास-स्थानों पर भीड़ ने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम, अस्त्र-शस्त्रों से हमला किया। हिंदुओं के घरों को तोड़ा गया। कुछ हिंदुओं की वीभत्स तरीके से हत्या की। ऐसी अराजकता एक-दो दिनों तक ही सीमित नहीं रही थी। यह हफ्तों तक होती रही। प्रदेश शासन और मुख्यमंत्री ने इस पर दिखावटी रोष भी प्रकट नहीं किया। ऐसी शासन शून्यता एवं अराजकता के भयंकर वातावरण में मुख्यमंत्री जिह्वा सील कर अदृश्य होकर बैठी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने हिंसा पर साधी चुप्पी

जब प्रदेश की मुख्यमंत्री ने ही ऐसी घटनाओं पर अप्रत्याशित चुप्पी साध ली तो फिर भला प्रांतीय मानवाधिकार संगठन, न्यायालय, मीडिया या अन्य हिंदू हितैषी इकाइयां क्या प्रतिरोध करतीं। हिंदू तो इस अराजक घटना में ही नहीं बल्कि विगत दो हजार वर्षों में उसके विरुद्ध हुई असंख्य अराजक घटनाओं में भी सत्ता या शासन का शक्तिशाली समर्थन कभी प्राप्त ही नहीं कर पाया। इसके बाद भी हिंदूजन धार्मिक रूप में स्वावलंबी नहीं बन सका है। वह अभी भी धर्म की भीरुता में जकड़ा हुआ है। वह अभी भी हिंदू धर्म की अस्त्र-शस्त्र युक्त जीवनशैली अपनाकर आत्मरक्षा हेतु कटिबद्ध नहीं हो पाया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंदुओं की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रतिनिधि समझी जाने वाली भाजपा ने भी इस विषय पर हिंदू भावनाओं के अनुरूप राष्ट्रव्यापी या राज्यव्यापी विरोध नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय के मुस्लिम हितैषी अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों की दशा-दिशा ये है कि वे हिंदू मंदिरों की समितियों में भी मुस्लिम सदस्य न होने के संबंध में चिंतातुर हैं। यहां दुःख इस बात का नहीं है कि हिंदू विरोधियों ने पलायन करने को विवश मुर्शिदाबाद के हिंदुओं का कुछ भी समर्थन नहीं किया। वे तो मुस्लिमों के वोट पर आश्रित हैं ही और इसीलिए मुस्लिमों द्वारा हिंदू दमन की पराकाष्ठा होने तक भी हिंदुओं का राजनीतिक समर्थन-संरक्षण नहीं करेंगे। बल्कि पीड़ा इस बात की है कि हिंदुओं के मताधिकारों द्वारा गत दस वर्षों से केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा ने 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्तारूढ़ होने के बाद भी वक्फ इत्यादि, हिंदुओं के लिए निरर्थक विषयों पर तब ही आरपार के राजनीतिक, संविधानिक निर्णय क्यों नहीं ले लिए। अब यदि वक्फ पर संशोधन के संसदीय निर्णय के बाद अभाजपायी प्रांत पश्चिम बंगाल में विरोध उमड़ रहा है अथवा भारत में बैठे व बांग्लादेश-पाकिस्तान के षड्यंत्रकारियों द्वारा मुर्शिदाबाद को इस सीमा तक अस्थिर किया जा रहा है कि हिंदू वहां से पलायन करने को विवश हैं, तो इसमें भाजपा के केंद्रीय शासन का शासकीय कर्तव्य, विरोध, प्रतिरोध और हिंदुओं के रक्षण-

संरक्षण की उनकी प्रतिक्रिया का क्या! अगस्त 2024 से लेकर अभी तक चाहे बांग्लादेश में तख्तापलट की समयावधि में वहां के हिंदुओं पर हुए मुस्लिमों के हमले हों अथवा वक्फ संशोधन के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद व समीपस्थ क्षेत्रों में हिंदुओं पर हुए अवैध घुसपैठियों के हमले, दोनों ही अवसरों पर केंद्र के भाजपा शासन ने हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान नहीं किया।

अराजक गतिविधियां जारी

मुस्लिमों की धृष्टता अब किसी एक प्रांत तक सीमित नहीं रही। पाकिस्तान व बांग्लादेश स्थित भारत विरोधी आतंकियों के साथ मिलकर भाजपायी हो अथवा अभाजपायी दोनों ही प्रकार के शासन से युक्त भारतीय प्रांतों में रह-रह कर अराजक गतिविधियां होती रही हैं। चाहे 2019 में ट्रंप के भारत आगमन पर राजधानी दिल्ली में आप पार्टी के मुस्लिम विधायकों के नेतृत्व में हुआ दंगा हो अथवा हरियाणा स्थित नूंह-नल्लड़ में हिंदू शोभायात्रा पर हमला, हर बार हिंदुओं को ही पीड़ित होने के बाद भी न्याय के लिए तरसना पड़ता है। चाहे चैंपियन ट्राफी में मध्य प्रदेश में भारत की विजय पर हो रहे प्रसन्नता-प्रदर्शन में मुस्लिमों द्वारा हिंदुओं पर घात लगाकर किया गया आक्रमण हो अथवा छावा फिल्म के प्रदर्शन के उपरांत हिंदू भावना को प्राप्त धर्मबल को कुचलने के षड्यंत्र से नागपुर में हिंदू कॉलोनी में किया गया हमला हो, हर स्थान पर हिंदूजन ही पीड़ित, दमित और विचलित दिखाई देता है।

हिंदुओं के संरक्षण का अभाव

ऐसी परिस्थितियों में, हिंदुओं की धार्मिक आस्था के माध्यम से, चाहे राम मंदिर हो अथवा महाकुंभ का माहभर से अधिक चला मेला, दोनों उपक्रमों के आधार पर, राजस्व अर्जन कर रही केंद्र व राज्य सरकारें हिंदुओं का ही परिरक्षण, संरक्षण कर पाने में असमर्थ हैं तो क्यों! अभाजपायी प्रांतीय सत्ताओं से तो हिंदुओं को पहले भी कभी कोई आशा नहीं थी कि वे उनके लिए कुछ करेंगी, किंतु भाजपायी केंद्रीय व प्रांतीय शासकों को अब स्वयं में एक नवदृष्टि विकसित करनी होगी कि वे हिंदुओं की नागरिक सभ्यता, करदाता के रूप में उसके समर्पित दायित्व और सर्वोपरि जीने व जीवन के उसके मौलिक अधिकार की हर स्थिति में रक्षा-सुरक्षा करे। यदि भाजपा के नेतृत्व में ऐसा अभ्यास नहीं होता है, तो आगामी चुनावों में क्रुद्ध हिंदू के पास 'नोटा' के विकल्प के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग शेष नहीं होगा। इस बीच एक हतोत्साहित करने वाला समाचार देखा कि भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश में क्रिकेट खेलने जाएगी। बांग्लादेश के कारण गत सात-आठ माह से भारत के विभिन्न हितों की कितनी हानि हुई है! इस संदर्भ को सम्मुख रखकर यदि विचार किया जाए तो बांग्लादेश से तो हर प्रकार का संबंध विच्छेद कर उस पर सैन्य हमला कर देना चाहिए, किंतु दुर्भाग्य देखिए कि शासन को भारतीयता तथा हिंदू अस्मिता से अधिक प्रिय क्रिकेट का कारोबार दिखाई दे रहा है।

दुर्भाग्य इतने तक ही सीमित नहीं है। जब मुर्शिदाबाद में गरीब, असहाय और निरुपाय हिंदुओं पर प्राणघाती हमला हो रहा था और जीवनरक्षा के लिए वे पलायन कर रहे थे, तो महानगरीय भारतीय लोगों के लिए इससे महत्वपूर्ण आईपीएल के क्रिकेट मैच बने हुए थे। हिंदुओं की भावनाओं का भरपूर दोहन हो रहा है। कभी राम मंदिर बनवाकर तथा कभी महाकुंभ का आयोजन करके हिंदुओं की धार्मिक आस्था के बल पर अर्थव्यवस्था में वृद्धि करके तो अब भारतीय युवा पीढ़ी को एक माह तक आईपीएल में 3 करोड़ जीतने के लालच में झोंककर। इन सभी गतिविधियों में हिंदुओं के माध्यम से शासकीय धनार्जन हो रहा है, पर तरह-तरह की सहायिकी उनको दी जा रही है जो हिंदुओं के पूर्ण दमन का संकल्प उठाये हुए हैं। स्थिति सोचनीय है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के कुछ अनुत्तरित सवाल

वक्फ विरोध

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों पर जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की।

अपने ही देश में शरणार्थी बने

उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग चार दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निर्मम घटनाओं की चौहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखों देखी घटनाएं बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत के अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भिड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदा व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही

लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम से कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं।

बीएसएफ व सीआरपीएफ तैनात

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है।

चुनावी रणनीति में बिजी ममता

उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने व उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदा, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाई गई थी, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया।

खुफिया एजेंसियों पर सवाल

इसके लिए बाकायदा 2 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं। इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, हालात ये हैं कि बांग्लादेश में हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं और यूनुस सरकार चुप बैठी है। इधर, हिंदू पश्चिम बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। ममता सरकार अपना संवैधानिक दायित्व नहीं निभा रही है। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

19- APR- COR- MAIN- Pg- 5 D-VIDESH_Layout 1 4/19/2025 9:49 PM Page 1

दिनाजपुर जिले के बसुदेवपुर गांव में बाइक सवारों ने किया हमला

घर में घुसकर उठा ले गए बदमाश, फिर बेरहमी से मार डाला

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नेता की हत्या, भड़का भारत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता को कथित तौर पर उनके घर से अगवा कर लिया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। लोकल मीडिया ने पुलिस और परिवार के सदस्यों के हवाले से बताया कि ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के निवासी 58 वर्षीय भाबेश चंद्र रॉय का बाइक सवार बदमाशों ने घर से अपहरण कर लिया और मृत हालत में वापस भेजा। भाबेश की पत्नी शांतना ने बताया कि उनके पति को शाम करीब 4:30 बजे एक फोन आया और उन्होंने दावा किया कि अपराधियों ने यह कॉल उनके घर पर मौजूद होने की पुष्टि करने के लिए की थी।

शांतना ने आगे बताया, 'लगभग 30 मिनट बाद, दो मोटरसाइकिलों पर 4 लोग आए और कथित तौर पर भाबेश को उनके घर से अगवा कर लिया। उनको नाराबारी गांव ले जाया गया, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। जब उन्हें घर वापस भेजा गया तो वह बेहोश थे और परिवार के सदस्य उन्हें दिनाजपुर के एक अस्पताल ले गए। हालांकि, वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।'

भाबेश चंद्र रॉय हिंदू समुदाय के नेता थे

भाबेश चंद्र रॉय बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। लोकल मीडिया ने बिराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुस सबूर के हवाले से बताया कि मामला दर्ज करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है। इस बीच, भारत ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बांग्लादेशी अधिकारियों की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और ढाका से कहा कि वह उपदेश देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश की ओर से की गई यह टिप्पणी उनके यहां अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं के साथ तुलना करने का एक कपटपूर्ण प्रयास है, जहां इस तरह के कृत्यों के अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं।' बता दें कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी शफीकुल आलम ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर टिप्पणी करते हुए भारत से अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी की सुरक्षा करने की मांग की थी।

भारत ने सुनाई यूनुस को खरी-खरी

भारत ने इस घटना की निंदा की और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी अंतरिम सरकार पर अपने अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसके साथ ही बांग्लादेश की यूनुस सरकार को खरी-खरी भी सुनाई। बांग्लादेश में घटित इस घटना को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और उनकी नृशंस हत्या पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने आगे लिखा कि यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से बचकर घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।

20 साल पुरानी 4 मंजिला इमारत गिरी, 11 की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में बड़ा हादसा

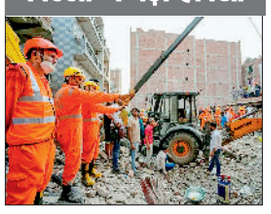

दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए। इनमें से 5 गंभीर रूप से घायलों का इलाज अब भी जारी है। 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत के गिरने के बाद 12 घंटे से ज्यादा समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे के बाद एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस के मुताबिक इमारत में 22 लोग थे। इनमें बिल्डिंग के मालिक तहसीन और उनके परिवार के 6 सदस्य भी मारे गए। इनमें 3 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं।

विकसित बस्तर की ओर

सब मिलकर लिखेंगे बस्तर की नई इबारत

सीएम विष्णुदेव साय ने कृषक, महिला, युवा, उद्यमी और आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास के लिए बनाई नई रणनीति

श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

बस्तर संभावनाओं की धरती है। इसके विकास के लिए हम सब मिलकर नई इबारत लिखेंगे। दो दिवसीय विशेष प्रवास पर मंत्रिमंडल के साथ बस्तर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यह बातें को कहीं। बस्तर में आयोजित 'विकसित बस्तर की ओर' परिचर्चा को संबोधित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उद्यमियों, विशेषज्ञों से चर्चा की। परिचर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2026 तक माओवाद मुक्त करने के लक्ष्य के साथ बस्तर में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। माओवाद प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पित माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। इन परिवारों को कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। बस्तर के विकास की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। यह कार्ययोजना न केवल बस्तर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने सभी स्टेकहोल्डर्स से इस दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़-2047' का संकल्प 'नवा अंजोर' विजन से बस्तर का विकास होगा।

कृषि क्षेत्र में

बस्तर को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए कृषि पर देना होगा जोर

बस्तर के किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि, उद्यानिकी, मछली पालन, पशुपालन, और जैविक खेती पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के स्वदेशी और जैविक उत्पादों को देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने के लिए प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, और मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना और उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

- संभाग में 1.85 हेक्टेयर में मक्का की खेती को तीन वर्षों में बढ़ाकर तीन लाख हेक्टेयर किए जाने का लक्ष्य। मिलेट्स की खेती को 52 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन वर्ष में 75 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य।
- बस्तर में काजू, कोंडागांव में आचार, मसाला व कोकोनट आयल, कांकेर में सीताफल पल्प, दंतेवाड़ा में शहद व हल्दी पाउडर, सुकमा-नारायणपुर व बीजापुर में मसाला प्रसंस्करण यूनिट।

कौशल विकास में

कौशल विकास को लेकर विकसित बस्तर की ओर अग्रसर है छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब शांति की ओर अग्रसर है। शांति के बाद सबसे बड़ी चुनौती है -यहां के युवाओं को रोजगार देना। और यह कार्य हम पूर्ण निष्ठा से करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।

- बस्तर में 32 नए कौशल विकास केंद्र और सातों जिलों में आवासीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनके माध्यम से युवाओं को बाजार और उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले डरे नक्सलियों द्वारा युद्ध विराम की मांग, शांति वार्ता को भी तैयार।

उद्योग के लिए

नई उद्योग नीति में बस्तर क्षेत्र के युवा उद्यमियों के लिए कई विशेष प्रावधान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने का काम सरकार कर रही है। नई औद्योगिक नीति में कई विशेष प्रावधान किए गए हैं। बस्तर संभाग के लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। वन संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करके हम स्थानीय लोगों की आय को बढ़ा सकते हैं। यहां से विभिन्न प्रकार के खनिज एवं खाद्यान्न का लगभग 102 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का निर्यात होता है, जिसमें लौह अयस्क की हिस्सेदारी सर्वाधिक है।

- स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ लघु और मध्यम उद्योगों को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन। अनुसूचित जाति-जनजाति व नक्सलवाद प्रभावितों के लिए 10 प्रतिशत व एमएसएमई के लिए 25 प्रतिशत तक सब्सिडी।
- भूमि बैंक प्रबंधन को मजबूत करने के साथ व्यापार को आसान बनाने के लिए स्थानीय उद्योगों (वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प) के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना। जनजातीय युवाओं और महिला उद्यमिता पर फोकस।

पर्यटन के लिए

बस्तर दशहरा को मिले अंतरराष्ट्रीय पहचान, आयोजन की अभी से तैयारी करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने बस्तर दशहरा, जो 75 दिनों तक चलता है, को देशभर में और विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने पर बल दिया। उनका कहना था कि इस प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए और आने वाले दशहरे की तैयारी इस दृष्टिकोण से की जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी पर्यटन सीजन के बीच आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी योजनाओं की रूपरेखा बनाने के निर्देश दिए।

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा धुड़मारास को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल किया गया है। इसे आगे बढ़ाते हुए और अधिक इको-टूरिज्म गांव विकसित किए जाएंगे।
- चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, और कोटमसर गुफाओं जैसे पर्यटन स्थलों को आकर्षक बनाने कैनोपी वाक, ग्लास ब्रिज, और होम स्टे जैसी सुविधाएं किसित की जाएंगी।

19- APR- COR- MAIN- Pg- 6 RAVIVARIYA_Layout 1 4/19/2025 8:41 PM Page 1

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
4
रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

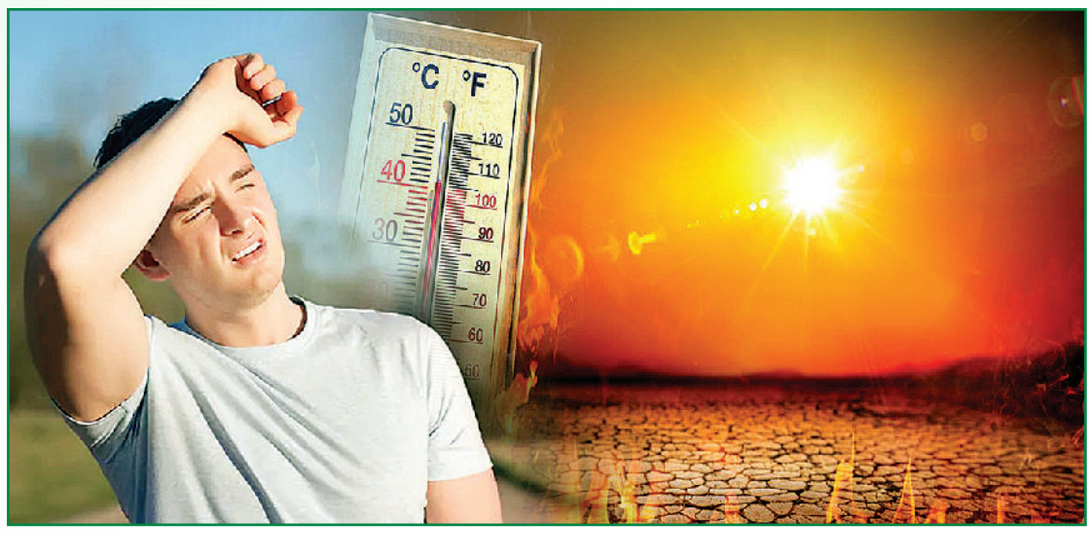

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

छावनी थाना क्षेत्र की घटना, एक युवक की हालत गंभीर

चलती बाइक में रील बना रहे युवाओं की गाड़ी पिकअप से टकराई, दो की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

तेज रफ्तार से चलती बाइक पर रील बनाते समय खड़े पिकअप से टकराने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे लड़के को मामूली चोटें आईं हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा। वहीं घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बाइक और पिकअप वाहन को जब्त किया है।

■ पुलिस ने पिकअप और बाइक को किया जब्त

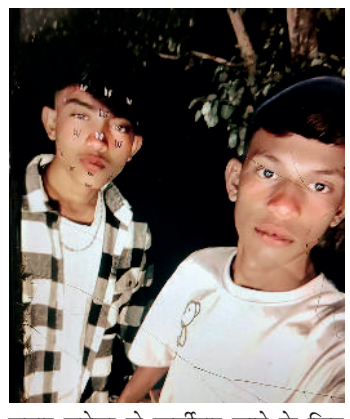

छावनी पुलिस ने बताया कि सुपेला से खुर्सीपार की ओर बाइक सीजी 07 एलसी 6476 में सवार होकर गौतम नगर सुपेला निवासी जय बंसोड 19 वर्ष, कृष्णा नगर सुपेला हर्ष मेश्राम 16 वर्ष, लक्ष्मी मार्केट आदित्य चौहान 17 वर्ष तीनों बाइक से तेज रफ्तार में निकले थे। चलती बाइक में युवक मोबाइल रील बनाते निकल रहे थे। बाइक

सवार सुपेला से खुर्सीपार जाने के लिए निकले थे। इस दौरान बाइक जैसे ही जगदम्बा स्वीट्स के सामने पहुंची। सड़क किनारे खड़े पिकअप सीजी 07 सीए 0631 से तेज रफ्तार बाइक भिड़ गई। हादसे में मौके पर ही रील बना रहे दो लड़कों की मौत हो गई। वहीं तीसरे युवक आदित्य बाइक के पीछे बैठा था, उसे भी चोटें आईं है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया दिया। बाइक को हर्ष मेश्राम चला रहा था। मृतक युवकों के शव को पीएम के लिए शुक्रवार रात को ही पुलिस ने भेज दिया था।

इंस्टाग्राम में रील बनाकर अपलोड करने का था शौक

बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार हुए युवकों को रील बनाकर इंस्टाग्राम में अपलोड करने का शौक था। एक बाइक पर सवार होकर तीनों रील बनाने निकले थे। लेकिन उन्हें जरा भी भनक नहीं लगी कि जिंदगी की रफ्तार शुक्रवार को टूटने वाली है। रील बनाने के शौक ने दो युवकों की जान चली गई। बाइक तेज रफ्तार में थी। घटना में बाइक सवारों ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को भी चपेट में लिया था। उसकी हालत गंभीर होना बताया गया है। हादसा इतना खतरनाक था कि पिकअप और बाइक के परखच्चे उड़े गए। फिलहाल इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है।

मां से बोला पार्टी में जा रहा हूं थोड़ी देर बाद आई मौत की खबर

जय बसोड़ की मां ने बताया कि वह अपने पिता प्रकाश के साथ धुमाल बजाने का काम करता था। शुक्रवार की रात को वह एक शादी में धुमाल बजाकर पिता के साथ घर लौटा था। इस दौरान पिता ने जय और उसके भाई को 50-50 रुपए भी दिए। इसके बाद जय अपनी मां से बोला कि वह पार्टी करने जा रहा है। लेकिन कुछ देर बाद सूचना मिली कि उसका एक्सीडेंट हो गया है।

मेरा बेटा आएगा वो पार्टी करने गया है

अस्पताल में मां कशिश मेश्राम अपने बेटे हर्ष को याद कर चीख रही थी। साथ ही बार-बार कह रही थी कि मेरा बेटा पार्टी करने गया है। वह उसे बुलाएगी तो घर आ जाएगा। वहीं हर्ष की दादी गंगा बाई का कहना था कि उसका नाती हंसमुख स्वभाव का था। अस्पताल में हर्ष के पिता प्रदीप मेश्राम बार-बार अपनी पत्नी से कह रहे थे कि उनका बेटा घायल है, उसका इलाज चल रहा है। एक घंटे में उसे छुट्टी मिल जाएगी।

दूसरे देशों में डाक्टरी की पढ़ाई आसान मगर एफएमजी की परीक्षा कठिन, पहले प्रयास में सफलता की दर 20 फीसदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

यूक्रेन, रूस सहित दूसरे देशों में जाकर एमबीबीएस की पढ़ाई तो आसान है, मगर वापसी के लिए ली जाने वाली एफएमजी की परीक्षा बेहद कठिन है। साढ़े पांच से छह साल की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र की पहले प्रयास में सफलता की दर महज 20 फीसदी है। नीट की परीक्षा में सफल होने के बाद भी राज्य के मेडिकल कालेज में प्रवेश नहीं पाने वाले करीब सौ छात्र हर साल पढ़ाई के लिए दूसरे देशों का रुख करते हैं।

■ किर्गिस्तान, रूस सहित दर्जनभर देशों में पढ़ाई करने प्रदेश से हर साल जाते हैं करीब सौ छात्र

हाल में प्रदेश के 13 चिकित्सा महाविद्यालयों में इंटर्नशिप के लिए 223 छात्रों को अनुमति मिली है, जिसमें से दर्जनभर एमएमजी छात्र दूसरे राज्यों से संबंधित हैं। चिकित्सा की पढ़ाई के लिए राज्य में काफी आकर्षण है और हर साल 40 हजार से ज्यादा विद्यार्थी नीट में शामिल होते हैं और 50 फीसदी पास होते हैं। राज्य के 13 मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की करीब 13 सौ सीटें हैं, जिसमें एडमिशन होने के बाद विद्यार्थियों के पास दूसरी कोशिश अथवा विदेश जाकर पढ़ाई का विकल्प रह जाता है। आर्थिक रूप से संपन्न सौ से सवा सौ विद्यार्थी विभिन्न देशों में जाकर डाक्टरी की पढ़ाई करते हैं। जानकार सूत्रों के मुताबिक वहां के कालेजों में साढ़े पांच से छह साल की फीस 30 से 35 लाख है। अन्य सुविधाओं पर होने वाले खर्च को मिलाकर राशि 40 से 45 लाख तक पहुंच जाती है। वहां की पढ़ाई तो आसानी से पूरी हो जाती है, मगर असली परीक्षा एफएमजी टेस्ट होता है, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा साल में दो बार जून और दिसंबर में ली जाती है। परीक्षा इतनी कठिन होती है कि पहले प्रयास में सौ में केवल 20 विद्यार्थी सफल होते हैं। शेष लोगों को अपनी सफलता के लिए कई बार कोशिश करनी पड़ती है।

किर्गिस्तान, रूस ज्यादा लोकप्रिय

सूत्रों के मुताबिक छत्तीसगढ़ समेत पूरे भारत से एमबीबीएस की पढ़ाई करने लिये छात्र दूसरे देश जाते हैं। सबसे ज्यादा लोकप्रिय देशों रशिया, किर्गिस्तान, फिलीपींस, चीन, जार्जिया, नेपाल, कजाकिस्तान और बेलारूस जैसे देश हैं। इसके अलावा आस्ट्रेलिया, कनाडा, यूके, यूएसएस और न्यूजीलैंड भी जाते हैं, मगर इनकी संख्या एक-दो से अधिक नहीं होती।

कई कालेजों में एफएमजी टेस्ट की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक इंटर्नशिप के लिए होने वाला एफएमजी टेस्ट काफी कठिन होता है। इसे ध्यान में रखते हुए कई कालेजों में इस परीक्षा के लिए शुरुआती साल से ही तैयारी शुरू कराई जाती है। किर्गिस्तान के मेडिकल कालेजों में यह प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसका फायदा भी चिकित्सा छात्रों को मिलता है और उनकी सफलता की दर अधिक होती है।

नान घोटाला जांच को प्रभावित करने सबूतों से छेड़छाड़ सीबीआई जांच में जुड़ सकते हैं और कई नाम

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

वर्ष 2015 के नान घोटाला मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को की गई छापे की कार्रवाई को लेकर शनिवार को एक बयान जारी किया है। सीबीआई ने अपने बयान में तीन सीनियर अफसर जिनमें तत्कालीन स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, तत्कालीन संयुक्त सचिव अनिल टूटेजा और तत्कालीन महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ अपराध दर्ज करने की जानकारी दी है। तीनों पर जांच प्रभावित करने का आरोप है। सीबीआई द्वारा जारी बयान के मुताबिक तीनों के खिलाफ सबूतों से छेड़छाड़, गवाहों पर दबाव बनाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। शुक्रवार को सीबीआई ने रायपुर के दो अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई का जिक्र करते हुए घटना से जुड़े आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त करने की जानकारी दी है। नान घोटाला में गवाहों को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने के मामले में आने वाले दिनों में कुछ और लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के संकेत दिए हैं। जिन अधिकारी, कर्मचारियों ने जांच में बाधा डालने का प्रयास किया, उनकी भूमिका भी जांच के दायरे में है। इस पूरे मामले में ईओडब्लू, एसीबी ने नवंबर 2024 में अपराध दर्ज किया है। उसी एफआईआर पर सीबीआई ने नए सिरे से अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

■ सीबीआई ने छापे की कार्रवाई को लेकर बयान जारी कर दी जानकारी

जांच को कमजोर करने साक्ष्य मिले

तीनों अफसरों के खिलाफ अपने पद में रहते हुए नान घोटाले की जांच प्रभावित करने का आरोप है। इस संबंध में ईडी तथा ईओडब्लू की कार्रवाई तथा आयकर विभाग ने जिन डिजिटल सबूतों को जब्त किया था, उन सबूतों को डॉ. शुक्ला, टूटेजा तथा सतीष चंद्र वर्मा ने कमजोर करने जो कोशिश की थी। इस संबंध में सीबीआई को महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

अग्रिम जमानत के लिए दस्तावेजों में हेरफेर

सीबीआई की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि तत्कालीन महाधिवक्ता वर्मा को अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई। टूटेजा तथा डॉ. शुक्ला ने अग्रिम जमानत का लाभ पाने की कोशिश की। इसके लिए दोनों अफसरों ने ईओडब्लू के अफसरों को दस्तावेजों में छेड़खानी करने राजी कर लिया था।

यह है पूरा मामला

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नागरिक आपूर्ति निगम कार्य करता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर घोटाला होने पर ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने फरवरी 2015 में राज्य के अलग-अलग जिलों के 25 ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की थी, तब तत्कालीन खाद्य सचिव डॉ. आलोक शुक्ला तथा नान के संचालक अनिल टूटेजा पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने के आरोप लगे थे। छापे की कार्रवाई के दौरान ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने तीन करोड़ 64 लाख रुपए नकद राशि जब्त की थी। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में जवाब पेश करना था। सुप्रीम कोर्ट में जवाब पेश करने के गवाहों को प्रभावित करने का इन पर आरोप है।

परीक्षा कंडक्ट होने के एक सप्ताह पूर्व पेपर लीक

सीजीपीएससी लीक मामले में सीबीआई ने पूछताछ के लिए भेजा आधा दर्जन को समंस

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

सीजीपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। दो दिन पूर्व छापे की कार्रवाई के बाद सीबीआई ने कोचिंग सेंटर संचालक सहित आधा दर्जन लोगों को बयान दर्ज कराने समंस जारी किया है। जिन परिक्षार्थियों से पैसे लेकर परीक्षा पास कराए जाने के आरोप हैं, उन तक पैसों का लेन-देन कैसे किया गया, सीबीआई इस संबंध में पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही उन लोगों के बैंक अकाउंट की पड़ताल कर रही है।

सीबीआई सूत्रों के मुताबिक सीजीपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले में जेल में बंद सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सोनवानी, उसके बेटे, तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक, कारोबारी व उसके बेटा-बहू को सीबीआई गिरफ्तार कर उनसे नए सिरे से पूछताछ करेगी। सीबीआई को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक परीक्षा पत्र परीक्षा कंडक्ट होने के एक सप्ताह पूर्व ही लीक हो गया था। पेपर लीक कराने के बाद साल्वर ने पांच दिनों तक पैसे लिए गए परीक्षार्थियों को पेपर हल करने के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परीक्षार्थी पेपर दिलाने सेंटर पहुंचे। जांच में जिन लोगों से पैसे लिए गए, उन सभी को एक ही सेट के पेपर दिए जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है।

जिनसे पैसे लिए गए, उन सभी को एक ही सेट के पेपर दिए गए

कोचिंग माफिया ट्विटर पर शिकंजा

सीजी पीएससी परीक्षा गड़बड़ी के तार जिस कोचिंग सेंटर तथा ट्विटर से जुड़ रहे हैं, सीबीआई उन पर भी शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। सीबीआई इस बात की तह में जाने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक करने वाले असली स्त्रोत कौन थे और इसके पीछे कौन-कौन से अधिकारी या एजेंसियां शामिल थीं। परीक्षा घोटाले के तीन प्रमुख सूत्रधार हैं, इनमें प्रमुख नाम तत्कालीन सीजीपीएससी के अध्यक्ष टामन सोनवानी, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललीत गणवीर। एसीबी, ईओडब्लू की टीम पूर्व में आरती वासनिक से पूछताछ कर चुकी है।

इन भर्तियों पर सीबीआई की नजर

- 2020 छत्तीसगढ़ वन सेवा (संयुक्त) परीक्षा 2020 के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसमें 178 पदों को भरा गया था।
- 2020 छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की, जिसमें विभिन्न विभागों में 143 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्रीलिम्स परीक्षा 14 फरवरी 2021 को आयोजित की गई थी और मुख्य परीक्षा 18, 19, 20 और 21 जून को आयोजित की गई थी। आवेदन प्रक्रिया 14 दिसंबर 2020 से शुरू हुई थी और 12 जनवरी 2021 को समाप्त हुई थी।
- 2021 सीजीपीएससी ने राज्य सेवा परीक्षा 2021 में 171 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की थी।
- 2022 राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2022 के लिए आवेदन आमंत्रित किए, जो एक दिसंबर 2022 से 20 दिसंबर 2022 तक भरे गए थे। 26, 27, 28 और 29 मई 2022 को मुख्य परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें 509 अभ्यर्थी सफल हुए थे। फैकल्टी पदों के लिए भी भर्ती निकाली थी, जिसके लिए आवेदन 24 फरवरी से 25 मार्च 2022 तक स्वीकार किए गए थे।

नि:संतान दंपती के लिए आंबेडकर अस्पताल में बनेगा एआरटी सेंटर, 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे

सरकारी अस्पताल में सुविधा गरीब तबके को भी मिल सकेगा संतान सुख

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

निसंतान दंपती को संतान सुख की प्राप्ति के लिए आंबेडकर अस्पताल में बनने वाला एआरटी सेंटर बड़ा सहारा बनेगा। शासकीय स्तर पर आईवीएफ सेंटर को बढ़ावा देने 10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। राज्य में अभी आईवीएफ की सुविधा निजी अस्पतालों में है, जहां के बड़े खर्च की वजह से गरीब तबके के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पाता।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के मुताबिक अस्पताल में संतान प्राप्ति से संबंधित परेशानी लेकर आने वाली दस फीसदी महिलाओं को इसकी आवश्यकता होती है। निजी अस्पतालों में इस पर होने वाले लाखों खर्च की वजह से गरीब तबके के लोग मन मसोसकर रह जाते हैं। ऐसे लोगों के लिये आंबेडकर अस्पताल में बनने वाला असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) सेंटर बड़ा मददगार साबित होगा। यहां कम खर्च में यह प्रक्रिया पूरी हो सकेगी। आंबेडकर अस्पताल में एआरटी सेंटर बनाने की योजना काफी पुरानी थी, मगर योजना की स्वीकृति के अभाव में इसे पूरा नहीं किया जा सका था। इस बार राज्य शासन ने अपने बजट में इसके लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जिससे आने वाले दिनों में प्रदेश के लोगों को उपचार से संबंधित बड़ी सुविधा मिल पाएगी। एआरटी सेंटर की सुविधा अभी राज्य के किसी भी सरकारी अस्पताल के साथ एम्स में भी नहीं है। इन हास्पिटलों में इस तरह की परेशानी लेकर कोई परिवार पहुंचता है, तो उसे मजबूरीवश निजी अस्पताल जाने की सलाह दी जाती है।

स्टाफ की भर्ती भी होगी

सूत्रों के अनुसार एआरटी सेंटर का संचालन करने के लिए यहां अतिरिक्त स्टाफ की भर्ती भी की जाएगी। इसमें एंड्रोलॉजिस्ट, एंब्रियोलॉजिस्ट के साथ बायो टेक्नोलॉजिस्ट सहित इस सुविधा के साथ प्रक्रिया के बारे में मरीजों को समझाने के लिए काउंसिलर की भर्ती भी की जाएगी। इसके अलावा जरूरत के हिसाब से यहां अन्य मानव संसाधन भी जुटाए जाएंगे।

बड़ी जगह की आवश्यकता

एआरटी सेंटर बनाने के लिए स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में एआरटी सेंटर बनाने के लिए बड़ी जगह की आवश्यकता होगी। आंबेडकर अस्पताल में होने वाली नियमित ओपीडी में जिन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज होते हैं, उनमें यह विभाग भी शामिल है और प्रसव के मामले में आंबेडकर अस्पताल राज्य का सबसे बड़ा संस्थान है।

शातिर चोर गिरफ्तार, साढ़े पांच लाख का माल जब्त

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने खमतराई थाना क्षेत्र में अलग-अलग आधा दर्जन घरों में चोरी करने के आरोप में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पुलिस ने साढ़े पांच लाख रुपए के घरेलू सामान, सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी जब्त की है। चोरी के आरोप में पुलिस ने जागेश उर्फ जग्गू चौहान को गिरफ्तार किया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना

ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/25/15, दिनांक 15.04.2025.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1.	02251851	ड्राईवर सीट एसेंबली फॉर डब्ल्यू.ए.जी.–9 लोको	28.04.2025	145 नग
2.	02244224C	कनवर्टर मॉड्यूल सी.एम.–एम 2801 डब्ल्यू 50–8, 3ई.एच.–236737-0001 000 सी.	29.04.2025	02 नग
3.	03251490A	कट ऑफ एंगल कोक विथ वेंट (फॉर एअर ब्रेक वैगन)	29.04.2025	15190 नग
4.	02251727	स्फेरी ब्लॉक फॉर एक्सल गाईड लिंक/ टी.एम. टार्क आर्म फॉर डब्ल्यू.ए.पी. 7/ डब्ल्यू.ए.जी. 9 लोको	30.04.2025	1129 नग
5.	03253185	डोर एसेंबली (डबल लिंक) फॉर बी.ओ.बी.आर.एन.	30.04.2025	626 नग
6.	03251438	डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व (सी.आई. वर्सन) फॉर फ्रेट एप्लीकेशन	05.05.2025	1186 नग
7.	03253146	नॉन–एसबेस्टस "एल" टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक फॉर फ्रेट स्टॉक फॉर 840 एम.एम. व्हील डाया	06.05.2025	30475 नग
8.	03251486	किट फॉर डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व	08.05.2025	4958 सेट
9.	03251494	पोली यूरेथेन कॉनस्टेंट कॉन्टेक्ट साईड बेयरर पैड्स फॉर एन.एल.बी. बोगी टू डिजाइन बी.	08.05.2025	1759 नग
10.	03252441	पी.ओ.एच. किट फॉर कॉनस्टेंट कॉन्टेक्ट पोलीयूरेथेन साईड बेयरर पैड एसेंबली	08.05.2025	8727 सेट
11.	03251484	बोगी सेंटर पिवोट बॉटम टू आर.डी.एस.ओ. डी.आर.जी. नं. डब्ल्यू.डी.–85079– एस-2	13.05.2025	2432 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समयः- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।

सीपीआर/10/18 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख–रखाव एवं साज–सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन–सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद–परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

सुशासन तिहार में निगम को 17119 मांगें और 2478 शिकायतें मिलीं

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत रायपुर नगर निगम को अब तक कुल 19 हजार 597 आवेदन किए गए हैं। इन आवेदनों में 17119 मांगें और 2478 शिकायतें की गई हैं। इन मांगों और शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही अधिकारियों द्वारा की जा रही हैं। शहर के सभी 70 वार्डों में सुशासन तिहार के पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल शिविर लगाकर लोगों के मांग और समस्या से संबंधित आवेदन लिए गए हैं। दूसरे चरण में इन आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। इस अभियान का तीसरा चरण 5 मई से शुरू होकर 31 तक चलेगा। इस दौरान समाधान शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें आवेदन करने वाले लोगों को उनकी मांग व शिकायतों का किए गए निराकरण की पूरी जानकारी दी जाएगी।

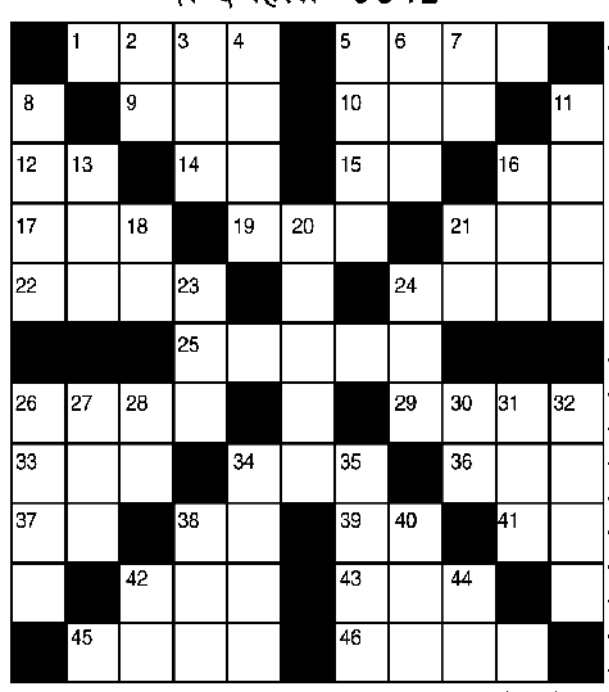

शब्द पहेली - 5842

■ मंगल सेनाचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल (उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2, 2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 5841 का हल

सूडोकु नवताल 5852

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5851 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

19- APR- COR- MAIN- Pg- 8 SARA SANSAR_Layout 1 4/19/2025 9:47 PM Page 1

भारतीय रेलवे हर रोज करीबन करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाती है, जाहिर है इतनी बड़ी संख्या में लोगों को लाने ले जाने में भी हजारों ट्रेन की जरूरत पड़ती है, ऐसे में कुल 13,452 ट्रेनों को रेलवे ने लगा रखा है। इनमें कुछ लग्जरी ट्रेनें हैं, तो कुछ सुपरफास्ट ट्रेनें हैं, तो कुछ ऐसी हैं जिनमें आम इंसान सस्ती टिकट लेकर आराम से बैठकर जा सकता है।

देश की इकलौती ट्रेन जो खिलाती है फ्री में नाश्ते से लेकर डिनर तक

नई दिल्ली। लेकिन इन हजारों ट्रेनों में केवल एक ट्रेन ऐसी है, जिसमें यात्रियों को फ्री में खाना परोसा जाता है। इसका मतलब है कि ये ट्रेन ना केवल आपको सफर का मजा दिलाती है, बल्कि रास्ते में आपको फ्री में ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर भी कराती है। चलिए आपको इस ट्रेन के बारे में बताते हैं।

पिछले 29 साल से रेलवे में मिलता है फ्री का खाना : रेलवे की ये खास ट्रेन देश के 2 फेमस स्थलों के बीच चलती है और श्रद्धालुओं को दर्शन कराती है। ट्रेन के यात्रियों को पिछले 29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा है। वैसे तो भारतीय रेलवे अपने सभी यात्रियों को चलती ट्रेन में खाना-नाश्ता देती है लेकिन आपको पैसे देने पड़ते हैं। केवल यही एक इकलौती ऐसी ट्रेन है, जो आपको बिना किसी पैसे के ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक सब फ्री में देती है, आप सफर में हैं हैं।

29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा

6 जगह पर परोसते हैं खाना

सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन 2,000 किलोमीटर की दूरी को तय करती है और इस दौरान 39 स्टेशनों पर इसका ठहराव रहता है। यात्रा के समय 6 पड़ाव पर लंगर लगता है, यहां यात्रियों को फ्री में खाना दिया जाता है, ये पड़ाव नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलावा भोपाल, परभनी, जालना, औरंगाबाद और मराठवाड़ा हैं। ट्रेन इस सफर को पूरा करने के लिए करीबन 33 घंटे का समय लेती है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ से अमृतसर तक ट्रेन

हम जिस ट्रेन की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर से पंजाब के अमृतसर शहर तक जाती है। ट्रेन का नाम सचखंड एक्सप्रेस (12715) है। ट्रेन अमृतसर के बड़े धार्मिक स्थल श्री हरमंदर साहिब गुरुद्वारा से जाती है फिर महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा पहुंचती है। बता दें, नांदेड़ में ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का निधन हुआ था, ये ट्रेन इन दोनों ही धार्मिक स्थलों के बीच सफर को पूरा करती है।

कौन उठाता है खाने का खर्च

ट्रेन का स्टॉपेज भी इस हिसाब से रखते हैं कि यात्री आराम से खाने का लुत्फ उठा सके। ट्रेन में खाने का मेन्यू बदलता रहता है, लेकिन अधिकतर समय आपको कढ़ी-चावल, छोले, दाल, खिचड़ी और आलू-गोभी या दूसरी सब्जी परोसी जाती है। इस पर आने वाला खर्चा गुरद्वारों को मिलने वाले दान के जरिए इस्तेमाल होता है। फ्री लंगर का लुत्फ उठाने के लिए ट्रेन में जनरल से लेकर एसी बोगी तक के यात्री अपने साथ बर्तन लेकर जाते हैं।

रोचक खबरें

महिला ने 2 करोड़ रुपये के खरीदे अपने कुत्तों के लिए कपड़े

करोड़ों में है कुत्तों के कपड़ों की कीमत

शंघाई। कई लोग कुत्तों को अपना दोस्त मानते हैं, वहीं कुछ उनकी बच्चों की तरह देखभाल करते हैं, लेकिन चीन की एक महिला का अपने कुत्तों के प्रति प्यार जाहिर करने का तरीका इस समय सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल, हाल ही में उस महिला ने अपने कुत्तों के लिए 2.80 लाख डॉलर यानी 2 करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च करके कपड़े, वॉक-इन वार्डरोब समेत उनकी अन्य फैशन एक्सेसरीज खरीदी हैं। ऐसे में आइए यह चौंकाने वाला पूरा मामला जानते हैं। चीन में शंघाई की रहने वाली महिला का असल नाम तो सामने नहीं आया है, लेकिन उसका सोशल मीडिया पर यिकेमोची नाम से अकाउंट है और वह पालतू जानवरों की फैशन इंफ्लूएंसर है। महिला के पास 3 पालतू कुत्ते छह वर्षीय मोची, पांच वर्षीय मिल्की और तीन वर्षीय पिग्गी हैं। कुछ दिन पहले महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने कुत्तों के सामानों का जिक्र किया, जिसके बाद से वो तेजी से वायरल होने लगी। हैरानी की बात ये है कि महिला के कुत्तों की अलमारी में आपको कढ़ाई वाली स्कर्ट, डिज्नी थीम वाले कपड़े और कई तरह के यूनिक डिजाइन वाले कपड़े भी देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा उनकी अलमारी में कुत्तों के लिए चमकदार क्लिप्स, सनग्लासेस और यहां तक की हैंडबैग्स भी हैं। वायरल वीडियो में वह अपने प्रशंसकों को अपने पालतू कुत्तों का शानदार वॉक-इन वार्डरोब और आभूषण स्टैंड दिखाती है। साथ ही महिला ने खुलासा किया कि उसने अपने कुत्तों के लिए 2,500 से अधिक कपड़ों और सामानों पर लगभग 2.80 लाख डॉलर (2 करोड़ से ज्यादा रुपये) खर्च किए हैं। उनके कलेक्शन में 550 डॉलर से 700 डॉलर (लगभग 45 से 60 हजार रुपये) की ट्वीड जैकेट और 410 डॉलर यानी लगभग 35 हजार रुपये की कश्मीरी जंपर्स शामिल हैं।

नीलामी में बिकी एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट, 15 करोड़ से अधिक लगी इसकी कीमत

नई दिल्ली। नंबर प्लेट धातु या प्लास्टिक की प्लेट होती है, जो वाहनों की पहचान के लिए लगाई जाती है। इसे लाइसेंस प्लेट भी कहा जाता है और हर वाहन की नंबर प्लेट का अंक अलग होता है। ऐसा ही कुछ चीन के हांगकांग में हुआ। यहां एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट 15 करोड़ रुपये से अधिक कीमत पर नीलाम हुई है। इस नीलामी का आयोजन हांगकांग शहर के राज्य परिवहन विभाग द्वारा सोमवार यानि 17 फरवरी को करवाया गया था। इस नीलामी के दौरान कुल 49 नंबर प्लेट बिकने के लिए उपलब्ध कराई गईं थीं। हालांकि, सभी नंबर प्लेटों में से एक ने लोगों का सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया। इसपर कोई अंक भी नहीं लिखा गया है और केवल 'S' छापा गया है। इस नीलामी को वार्षिक चंद्र नववर्ष नीलामी यानि एनुअल लूनर न्यू ईयर ऑक्शन नाम दिया गया था। इस खास नंबर प्लेट की बोली करीब 55,800 रुपये से शुरू हुई थी।हालांकि, जल्द ही इसकी बोली बढ़ने लगी और लोग इसे हासिल करने में दिलचस्पी दिखाने लगे। एक व्यक्ति ने इसके लिए 8.97 करोड़ रुपये की बोली लगाई। नीलामी के अंत में इसे 15.86 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर नीलाम किया गया।

महिला ने पानी के अंदर रहकर बनाए 2 विश्व रिकॉर्ड, हैरान कर देगा तरीका

पानी के अंदर ज्यादा देर तक सांस रोककर रखना कई लोगों के लिए मुश्किल है, लेकिन अमेरिका की अमेलिया डे लॉस रियोस नाम की एक महिला ने इस चुनौती को अपनी उपलब्धि बना दिया। एक पेशेवर फ्रीडाइवर होने के कारण अमेलिया की पानी के नीचे ज्यादा देर रूकने की क्षमता लाजवाब है।

उन्होंने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करने के लिए एक मिनट में पानी के अंदर 56 छल्ले बनाएं और गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया।

अमेलिया इस्तेमाल करती हैं खास तकनीक

गिनीज बुक के मुताबिक, अमेलिया ने बताया कि पानी के अंदर जाकर छल्ले बनाने के लिए वह एक खास तकनीक का इस्तेमाल करती है। उन्होंने आगे कहा, पानी के अंदर छल्ले बनाना मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इन्हें सही लय में बनाना मुश्किल है। इसके लिए आप जितना कम गहराई में जाएंगे, इन्हें बनाना उतना ही आसान होगा, लेकिन बहुत कम गहराई में जाएंगे तो छल्ले एक-दूसरे से टकराकर टूट जाएंगे।

अमेलिया का दूसरा विश्व रिकॉर्ड : पानी के अंदर छल्ले बनाने के रिकॉर्ड के अलावा अमेलिया ने एक अन्य रिकॉर्ड भी कायम किया। दूसरा रिकॉर्ड ये था कि उन्होंने पानी के अंदर 6 मिनट और 58 सेकंड तक अपनी सांस रोककर रखी, जो पुरुषों के रिकॉर्ड से 12 सेकंड ज्यादा है। पानी के अंदर ये रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस खिलाड़ी की तकनीक का श्रेय उनके फ्रीडाइविंग कौशल को जाता है। बता दें कि फ्रीडाइविंग एक तरह की पानी में सांस रोककर रखने वाली गतिविधि है।

खूबसूरत

भारतीयों का खूब किया जाता है सत्कार

फिरंगियों का बसाया हिल स्टेशन जहां उन्हें ही नहीं मिलती एंट्री

चकराता। उत्तराखंड को धरती का स्वर्ग कहते हैं, नेचर लवर्स के देखने के लिए यहां काफी कुछ है, उन्हीं में से एक जगह है चकराता। इस जगह को ब्रिटिश काल में विदेशियों ने बसाया था, आज ये एक खूबसूरत हिल स्टेशन बन चुका है, जहां केवल भारतीय लोगों को ही घूमने की इजाजत मिलती है। जी हां और हैरानी वाली बात ये है, जिन अंग्रेजों ने इस जगह को बसाया था, वो ही अब यहां पैर तक नहीं रख सकते। अगर गर्मियों में यहां जाने का सोच रहे हैं, तो पहले जान लें आखिर इसकी दिलचस्प वजह क्या है और देखने के लिए यहां क्या खूबसूरत जगह हैं। चकराता में आप टाइगर फॉल का मजा ले सकते हैं। ये उत्तराखंड का सबसे ऊंचा झरना है और यहां मुख्य आकर्षण है।

चकराता क्यों है फेमस

चकराता को लेकर कहते हैं कि ये ऐसी जगह है जहां प्रदूषण ना के बराबर आता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां आपको कई खूबसूरत झरने और पर्यटन स्थल देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा आप यहां ट्रेकिंग से भी मजा ले सकते हैं। देववन से चकराता का नजारा बढ़ा ही खूबसूरत लगता है। सर्दियों के समय बर्फ से ढके हिमालय पर्वत भी देखने को मिल जाएंगे। चकराता से देववन आप गाड़ी की मदद से जा सकते हैं या कानसार से ट्रेकिंग भी कर सकते हैं।

सूर्यास्त का खूबसूरत नजारा

अगर आप प्रकृति के बीच सूर्यास्त के खूबसूरत नजारे देखना चाहते हैं, तो आपको चकराता से चिरमिरी जाना होगा। ये जगह चकराता से करीबन 4 से 5 किमी दूर है। यहां सूर्यास्त का नजारा इतना खूबसूरत है कि आप उस अनुभव को भूल जाएंगे। अगर आप सड़क के रास्ते, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से जा रहे हैं तो चकराता आप आसानी से पहुंच सकते हैं। पास की जगह देहरादून है यानी आपको पहले देहरादून जाना पड़ेगा। देहरादून पहुंचने के बाद आप गाड़ी या टैक्सी की मदद से चकराता जा सकते हैं।

चीन सीमा पास में इसलिए विदेशी एंट्री बंद

बता दें कि चकराता के पास ही चीन की बॉर्डर है ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से किसी भी विदेशी सैलानी एंट्री को पूरी तरह से बैन कर दिया गया। अब यहां इंडियन आर्मी का कैंप है। ऐसे में केवल भारतीय नागरिक ही यहां घूमने के लिए जा सकते हैं। अगर कोई विदेशी यहां आने की कोशिश करता है, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाता है।

छुट्टियां यहां बिताया करते थे अंग्रेज

चकराता को 1866 में अंग्रेजों ने बसाया था। जिसके बाद अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के ऊंचे लेवल के अधिकारी गर्मियों की छुट्टियां बिताने के लिए यहां आया करते थे। 1869 में ब्रिटिश सरकार ने इसे कैंट बोर्ड के अधीन कर दिया था। यहां से चीन की दूरी भी बहुत ही कम है। साल 1962 में भारत-चीन के बाद यहां तिब्बती यूनिट भी यहां आ गई थी।

क्लाउड मोनेट की ये पेंटिंग लगभग 400 करोड़ रुपये में होगी नीलाम

नई दिल्ली। क्लाउड मोनेट एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका काम कला बाजार में सबसे प्रशंसित, महंगा और मांग वाला है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि मोनेट द्वारा बनाई गई एक पेंटिंग न्यूयॉर्क की एक नीलामी में 3 करोड़ डॉलर से 5 करोड़ डॉलर (करीब 250 करोड़ से लेकर 430 करोड़ रूपये) के बीच बिक सकती है। आइए इस नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं। मोनेट की साल 1891 में बनाई गई लैंडस्केप पेंटिंग की नीलामी क्रिस्टी नीलामी घर द्वारा अगले महीने ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस पेंटिंग में सूर्यास्त के समय नदी के किनारे पेड़ों को दर्शाया गया है, जो फ्रांस के नॉरमैंडी गांव की एक जगह की छवि है। यह मोनेट की लेस पेप्लियर्स श्रृंखला की 24 पेंटिंग में से एक है और इस श्रृंखला की सारी पेंटिंग में मोनेट के घर के पास वाली इप्टे नदी के आसपास का दर्शाया है।

पेंटिंग में है इप्टे नदी के किनारे का नजारा

नीलामी घर के मुताबिक, मोनेट ने इस श्रृंखला की पेंटिंग्स में इप्टे नदी के नजारों को विभिन्न मौसमों और स्थितियों के साथ बनाया है। क्रिस्टी में इंप्रेशनिस्ट और आधुनिक कला की प्रमुख वैनेसा फुस्को ने बताया, मोनेट द्वारा इस्तेमाल किए रंगों और उनसे पेंटिंग पर की गई परतों से ऐसी पेंटिंग बनाना काफी मुश्किल काम है, लेकिन जब आप इस पेंटिंग के सामने खड़े होते हैं तो ये काफी आकर्षक लगती है। फुस्को ने आगे बताया, मोनेट की ये पेंटिंग 1955 तक उनके परिवार के संग्रह में रही और क्रिस्टी को सौंपे जाने स पहले ये पेंटिंग बोस्टन के म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स में 30 साल तक प्रदर्शन का हिस्सा बनी रही। ऑनलाइन नीलामी में जाने से पहले ताइवान में एक दिन के लिए प्रदर्शनी में रखी जाएगी।

दुनिया के ऐसे होनहार जानवर, जिनके नाम दर्ज हैं कई शानदार विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आपने मनुष्यों को तो कई प्रकार के विश्व रिकॉर्ड बनाते देख होगा, लेकिन क्या अपने कभी जानवरों के रिकार्ड्स के बारे में सुना है? दुनियाभर में कई ऐसे होनहार और समझदार पालतू जानवर मौजूद हैं, जो अपनी बुद्धि और कला के जरिए कई तरह के रिकॉर्ड बना चुके हैं।

स्केटबोर्ड चलाने वाली बिल्ली : कहा जाता है कि बिल्लियां बेहद अलसी होती हैं और जल्दी करतब करने के लिए तैयार नहीं होतीं। हालांकि, सही प्रशिक्षण मिलने पर वे भी कुछ हैरतअंगेज कारनामे कर दिखाती हैं। दरअसल, चीन के रहने वाले ली जियांगताओ की अमेरिकन शार्टहेयर नस्ल वाली बिल्ली स्केटबोर्ड चलाती है। इस बिल्ली का नाम बाओ जी है, जिसने 10 मीटर की दूरी तक स्केटबोर्ड चलाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

सबसे ऊंची छलांग लगाने वाला गिनी पिग

गिनी पिग छोटे और प्यारे जानवर होते हैं, जो अपनी मासूमियत के जरिए सबका मन मोह लेते हैं। हालांकि, अमेरिका की रहने वाली ग्रेस होइनेस की गिनी पिग को केवल उसकी मासूमियत के लिए ही नहीं, बल्कि बुद्धिमानी के लिए भी जाना जाता है। इसका नाम ऐबी है और इसने किसी गिनी पिग द्वारा सबसे ऊंची छलांग लगाने (22 सेमी) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

अमीर होने के लिए लोग खरीद रहे बैंक की मिट्टी, हजारों में बिक रही

नई दिल्ली। आज के महंगाई के जमाने में सभी लोग पैसे कमाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। हालांकि, कई ऐसे लोग भी होते हैं, जो पैसे कमाने के आसान रास्ते तलाशते रहते हैं। इन लोगों में अमीरी बनने की चाह इस कदर बढ़ जाती है कि वे किसी भी दकियानूसी तरकीब का सहारा ले लेते हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों चीन में हो रहा है, जहां के लोग अमीर बनने के लिए बैंक से चुराई गई मिट्टी खरीद रहे हैं।

आम तौर पर चोर बैंक से पैसे लूटते हैं, लेकिन आज-कल के चोर बैंक से मिट्टी चुराने लगे हैं। चीन के चोर बैंक में लगे गमलों से मिट्टी चुराकर ऑनलाइन बेचने का धंधा चला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इसको खरीदना अब एक ट्रेंड बन गया है। मिट्टी को यह बताकर बेचा जा रहा है कि इसके जरिए लोग जल्द-से-जल्द अमीर बन जाएंगे। बैंक की मिट्टी की एक पोटली 10,000 रुपये में बिक रही है।

अनोखा मेला, रात के वक्त सड़कों पर दिखाई देती हैं सिर्फ औरतें

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान के जोधपुर में दुनिया भर का सबसे अनोखा मेला जोधपुर में होता है। 16 दिन की पूजा करने के बाद सुहागिनें अलग-अलग स्वांग रच कर जोधपुर के भीतरी शहर में रात भर सड़कों पर निकलती हैं। पूरी रात महिलाओं का राज होता है। इसे बेंतमार के नाम से भी जाना जाता है। इस मेले की यह परंपरा है कि जोधपुर में पुराने समय में भाभी अपने देवर और अन्य कुंवारे युवकों को प्यार से छड़ी मार कर बताती थीं कि वो कुंवारे हैं। बेंत मारने के बाद कुंवारे लड़कों की जल्द ही शादी हो जाती है।

12 घंटे का निर्जला उपवास रखती हैं महिलाएं

इस धींगा गवर की अनूठी पूजा करने वाली महिलाएं दिन में 12 घंटे निर्जला उपवास करती हैं। दिन में एक समय खाना खाती हैं। इसी तरह 16 दिन तक अनुष्ठान व पूजन चलता है। जोधपुर की स्थापना राव जोधा ने 1459 में की थी। मान्यता है कि धींगा गवर पूजन तभी से शुरू हुआ है। राज परिवार से इस पूजन की परंपरा शुरू हुई थी। 564 सालों से यह पूजा चली आ रही है।

महिलाएं पुरुषों को मारती हैं छड़ी

इस मौके पर रात के वक्त सड़कों पर सिर्फ महिलाएं दिखती हैं. हर महिला के हाथ में एक छड़ी होती है जैसे ही पुरुष सामने दिखता है तो उस छड़ी से पुरुषों को मार पड़ती है। इसमें 16 दिन तक गवर माता का पूजन होता है। वहीं 16वें दिन पूरी रात महिलाएं घर से बाहर रहती है और अलग-अलग समय में धींगा गवर की आरती करती हैं। इस मेले में हर महिला अलग-अलग स्वांग रच कर पूरी रात शहर में घूमती है। दुनिया में सिर्फ जोधपुर में ही धीगा गवर का आयोजन किया जाता है, जिसे देखने के लिए न सिर्फ राजस्थान बल्कि दुनियाभर के लोग जोधपुर पहुंचते हैं।

सच्चाई

रंग बदलने के पीछे छिपा है उसकी दुनिया का गहरा राज

मोहब्बत से लेकर जंग तक... गिरगिट के हर रंग का है अलग सीक्रेट

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि गिरगिट केवल छिपने के लिए ही अपना रंग नहीं बदलते? गिरगिटों की त्वचा में रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। यह क्षमता उन्हें न केवल अपने परिवेश में छिपने में मदद करती है, बल्कि दूसरे गिरगिटों से संवाद करने में भी एक बड़ी भूमिका निभाती है। आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे और क्यों बदलते हैं। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि गिरगिट के बदले हुए हर रंग का अपना एक मतलब होता है। उनके हर रंग की एक अलग और रोमांचक कहानी है।

दुनिया भर में गिरगिट की 135 पजातियां : दुनिया भर में गिरगिटों की कम से कम 134 प्रजातियां पाई जाती हैं। यह आम धारणा है कि गिरगिट अपने आसपास के वातावरण में घुलने-मिलने के लिए रंग बदलते हैं, लेकिन यह पूरी सच्चाई नहीं है। असल में, गिरगिट रंग बदलकर आस-पास के दूसरे गिरगिटों को संकेत भी भेजते हैं।

ये रंग है मादा के इंकार का संकेत

इसके अलावा अगर एक नर पैंथर गिरगिट साथी की तलाश में है, तो वह मादा को शानदार नीले, हरे, नारंगी, पीले, लाल और सफेद रंग के साथ प्रभावित करने का प्रयास करता है। गर्भवती मादा की त्वचा गहरे भूरे या काले रंग में बदल जाती है, जो बताता है कि वह संबंध बनाने के लिए तैयार नहीं है।

रंग बताते हैं कि बीमार या घायल है गिरगिट : गिरगिट की त्वचा का रंग उसके शरीर के तापमान, तनाव के स्तर, पोषण और यहां तक कि मनोदशा के बारे में भी बताता है। एक शांत गिरगिट का रंग हरा हो सकता है, जो आम तौर पर उसे अपने परिवेश में कुछ हद तक छिपाने के लिए बनाया गया होता है। यह उसे शिकारियों से भी बचाता है। गिरगिट का रंग यह भी बता सकता है कि वह बीमार है या घायल है।

खतरा होने पर अपनाते हैं लाल रंग

उदाहरण के तौर पर, पैंथर गिरगिट की त्वचा गुस्से या खतरे में होने पर अपने सामान्य नीले और हरे रंग से लाल रंग में बदल जाती है। ज्यादातर प्रजातियां समर्पण दिखाने के लिए गहरे या फीके मंद रंग को दिखाती हैं। अगर कोई गिरगिट, दूसरे के प्रभुत्व प्रदर्शन से डर जाता है तो वह गहरे, विनम्र रंग में बदल जाएगा और सिकुड़ जाएगा।

चमकीले रंग से सहमति देती है मादा : गिरगिट के रंगों का लव कनेक्शन भी है। एक नर गिरगिट मादा को आकर्षित करने के लिए चमकीले रंग दिखाता है। उदाहरण के लिए, नर मेलर का गिरगिट अपनी दिलचस्पी दिखाने के लिए लाल रंग की चमक दिखाता है।

भगवान शिव ने मां पार्वती को दिया था वरदान

महिलाओं के अनुसार मान्यता है कि मां पार्वती के सती होने के बाद जब दूसरा जन्म लिया तो वह धींगा गवर के रूप में आई थीं। भगवान शिव ने मां पार्वती को इस पूजन का वरदान दिया था। इसके बाद से धींगा गवर की पूजा होती है, 16 दिन तक व्रत रखने वाली महिलाएं एक समय भोजन करती हैं। इन 16 दिनों में माता की पूजा में मीठा का भोग लगाया जाता है। जो महिलाएं यह व्रत रखती हैं उनके हाथ में एक डोरा बंधा होता है जिसमें कुमकुम से 16 टीके लगाए जाते हैं।

19- APR- COR- MAIN- Pg- 9 NIVESH_Layout 1 4/19/2025 9:24 PM Page 1

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आदि। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूंजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

धीरा स्काईला में टेरेस गार्डन अपार्टमेंट 72 ने कराई बुकिंग, आज अंतिम दिन

बिलासपुर। टेरेस गार्डन वाला अपार्टमेंट बहुत जल्द शहर वासियों को मिलने वाला है। 8 फ्लोर वाले इस अपार्टमेंट में 72 परिवारों को सुरक्षा के साथ प्राकृतिक से भरा वातावरण मिलेगा। 3 बी एच के अपार्टमेंट में 24 घंटे लाइट की सुविधा के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अब तक 27 परिवारों ने फ्लैट की बुकिंग करा ली है। कंपनी हितग्राही को 33 माह के भीतर पजेशन दे देगी।

धीरा स्काईला के डेवलपर्स राजकुमार खुशलानी (राजू) भूपेंद्र सिंह और संचित नाथनी ने बताया कि अपार्टमेंट का निर्माण सकरी रोड जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास किया जा रहा है। 8 फ्लोर के अपार्टमेंट में 72 फ्लैट उपलब्ध हैं, जहां 24 घंटे बिजली और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यहां इंडोर जिम, स्विमिंग पुल, गार्डन, बेनकेट हाल के साथ 3 लिफ्ट की सुविधा दी जा रही है। लो वोल्टेज से बचने थ्री फेस बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है। डायरेक्टर ने बताया कि धीरा स्काईला द्वारा निर्मित इस अपार्टमेंट के 9 वें फ्लोर में टेरिस गार्डन का निर्माण किया जाएगा। जो यहां के लोगों को प्रकृति के नजदीक रहने का अहसास दिलाएगा। अपार्टमेंट में तीन दिशाओं से खुला आकाश मिलेगा। बिलासपुर शहर का यह पहला टेरेस गार्डन वाला अपार्टमेंट है। अब 27 लोगों ने बुकिंग करा ली है। धीरा स्काईला के इस अपार्टमेंट में 72 परिवारों के लिए 3 बीएचके का फ्लैट उपलब्ध है। जहां 19 और 20 अप्रैल को दो दिवसीय बुकिंग मेले का आयोजन किया जा रहा है। 19 अप्रैल को 27 परिवारों ने फ्लैट की बुकिंग कराई है। यहां 20 प्रतिशत डाऊन पेमेंट पर फ्लैट खरीदने की सुविधा दी गई। 80 प्रतिशत बैंक द्वारा फाइनेंस किया जा सकता है। इसके लिए एचडीएफसी, एलआईसी और एसबीआई बैंक फाइनेंस करेंगी। बुकिंग के 33 महीने के अंदर ग्राहकों को पजेशन दे दिया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रशासनिक फेरबदल...

गया। मुख्य सचिव के लिए सरकार ने सम्मान की भावना जताई है। **अफसरों को एक ही सचिव करेंगे डील**-प्रशासनिक फेरबदल में अफसरों को दिए गए अतिरिक्त प्रभार देने में यह देखा गया है कि उन्हें एक ही विभाग के सचिव के अधीन रखा गया है। अफसरों को एक ही उच्च अधिकारी के अधीन काम करने का मौका मिलेगा। विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न निगम मंडल और अभिकरण का काम करते समय उन्हें किसी दूसरे अफसर के पास जाना नहीं पड़ेगा। ऐसे में कार्य की दक्षता और अफसर के काम कराने के ढंग के अनुसार काम करेंगे। जैसे किरण कौशल के पास मार्कफेड और नान की जिम्मेदारी है। यह दोनों ही खाद्य विभाग के अधीन हैं। **राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर ध्यान**-फेरबदल से साफ है कि सरकार लंबित राजस्व प्रकरणों को लेकर गंभीर है। राज्य सरकार ने लंबित राजस्व प्रकरणों को ध्यान में रखते हुए राजस्व जिला बिलासपुर में अब स्वतंत्र आयुक्त के पद पर सुनील जैन को जिम्मेदारी सौपी है। बिलासपुर में पिछले 1 साल से प्रभारी संभागायुक्त के होने के कारण यहां पर राजस्व प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हो गए हैं। पहले संजय अलंग रायपुर के संभागायुक्त रहते बिलासपुर के प्रभार में थे। बाद में महादेव कांवरे रायपुर के संभागयुक्त करते बिलासपुर के प्रभार में रहे हैं। वहीं अपर संभागायुक्त के पद पर आईएएस को प्रभार देते हुए रायपुर और दुर्ग में अपर संभागायुक्त पदस्थ किया गया है। राजस्व मंडल में भी अध्यक्ष की पूर्ण कालिक नियुक्ति की गई है। इससे लंबित प्रकरणों के निराकरण में गति आएगी।

फाइव स्टार होटल...

के साथ नान का भी जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह दिव्या मिश्रा को बालोद कलेक्टर बनाकर भरोसा जताया गया है। अवनीश शरण को कलेक्टर बिलासपुर से वापस राजधानी लाकर नगर निवेश और गृह निर्माण मंडल का प्रभार दिया गया है। कुणाल दुदावत को कोंडागांव से दंतेवाड़ा जैसे बड़े जिल को प्रभार उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए दिया गया।

11 कलेक्टर समेत...

इस बीच सरकार ने जनक प्रसाद पाठक आयुक्त उच्च शिक्षा को हटा दिया है। श्री पाठक को विशेष सचिव वन बनाया गया है। वहीं शिखा राजपूत सचिव वन विभाग को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त आयुष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. प्रियंका शुक्ला आयुक्त-सह-संचालक स्वास्थ्य सेवाएं तथा अतिरिक्त प्रभार ओएसडी स्वास्थ्य विभाग को ओएसडी के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए प्रबंध संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। **तारन प्रकाश सिन्हा पीएम आवास संचालक**-तारन प्रकाश सिन्हा विशेष सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को आयुक्त मनरेगा के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इफ्फत आरा संचालक आयूष को अपर संभागीय आयुक्त रायपुर संभाग के पद पर पदस्थ करते हुए अपर संभागीय आयुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जगदीश सोनकर मिशन संचालक राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान को एमडी अंत्यावासी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। डॉ. संतोष कुमार देवांगन अपर आयुक्त भू-अभिलेख नवा रायपुर को आयुक्त उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऋतुराज रघुवंशी संचालक तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण को संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, मिशन संचालक साक्षरता मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विजय दयाराम के सीईओ छग राज्य कौशल विकास अभिकरण तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को संचालक तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण के पद पर पदस्थ करते हुए सीईओ छग राज्य कौशन विकास अभिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अरविंद कुमार एक्का अपर कलेक्टर दुर्ग को संयुक्त सचिव राजस्व के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक मुद्रण एवं लेखन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। संतन देवी जांगड़े अपर कलेक्टर रायगढ़ को संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सुखनाथ अहिरवार अपर कलेक्टर कांकेर को सचिव राज्य निर्वाचन आयोग के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव चोल एवं युवक कल्याण विभाग के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। अजय कुमार बग्रवाल संचालक जनसंपर्क को एमडी छग राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के पद पर पदस्थ किया गया है। **मित्तर विशेष सचिव कृषि**-सारांश मित्तर विशेष सचिव कृषि को आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास निगम के पद पर पदस्थ किया गया है। रमेश कुमार शर्मा एमडी मार्कफेड को विशेष सचिव गृह, जितेंद्र कुमार शुक्ला संचालक खाद्य एवं अतिरिक्त प्रभार एमडी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन को मिशन संचालक जल जीवन मिशन के पद पर पदस्थ किया गया है। रिमिजियुस एक्का संचालक पशु चिकित्सा तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी नगरीय प्रशासन विभाग को संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास। **अविनाश आयुक्त गृह निर्माण**-अवनीश कुमार शरण कलेक्टर बिलासपुर को आयुक्त नगर एवं ग्राम निवश के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त गृह निर्माण मंडल का अतिरक्त प्रभार दिया गया है। उनके कार्यभार ग्रहण करने पर सौरभ कुमार सीईओ नया रायपुर एवं अटल विकास प्राधिकरण तथा अतिरिक्त प्रभार नगर तथा ग्राम निवेश केवल संचालक नगर तथा ग्राम निवेश के प्रभार से मुक्त होंगे। **कार्तिकेय गोयल एमडी वेयर हाउसिंग**-कार्तिकेय गोयल कलेक्टर रायगढ़ को संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। धर्मेश साहू कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को विशेष सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, भूरे सर्वेश्वर नरेंद्र सचिव राज्य निर्वाचन आयोग तथा अतिरिक्त प्रभार मियान संचालक जल जीवन मिशन को कलेक्टर राजनांदगांव, जन्मेजय महोबे एमडी नागरिक आपूर्ति निगम तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी महिला बाल विकास विभाग को कलेक्टर जांजगीर-चांपा के पद पर पदस्थ किया गया है। **आकाश छिकारा सीईओ आरडीए**-आकाश छिकारा कलेक्टर जांजगीर-चांपा को उप सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सीईओ रायपुर विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मयंक चतुर्वेदी कलेक्टर दंतेवाड़ा को कलेक्टर रायगढ़, कुणाल दुदावत कलेक्टर कोंडागांव को कलेक्टर दंतेवाड़ा के पद पर पदस्थ किया गया है। चंद्रकांत वर्मा कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को संचालक पशु चिकित्सा विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए छग राज्य जल प्रबंधन एजेंसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

दिव्या उमेश मिश्रा...

कलेक्टर अंतागढ़ को कलेक्टर गरियाबंद के पद पर पदस्थ किया गया है।

फाइव स्टार होटल...

पर पदस्थ किया। आयुक्त उच्च शिक्षा ने एक अफसर की बिदाई और दूसरे अफसर के स्वागत सामरोह का संयुक्त रूप से आयोजन किया था। आयोजन शहर के होटल सयाजी में 21 अप्रैल को रखा गया था। कार्यक्रम में विभाग के अफसरों के साथ अन्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय को इसकी जानकारी होने पर नाराजगी जताई गई। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कार्यक्रम स्थगित करने की सूचना जारी की गई।

जीवन के लिए...

खोजा। 80 परिवारों ने मिलकर नहर से गांव तक पानी लाने का रास्ता निकाला। उन्होंने नहर की चट्टानों को पाइप के आकार में काटा। इसके बाद लकड़ियों को भी पाइप की तरह तैयार किया। ग्रामीणों ने करीब एक किलोमीटर लंबी मिट्टी की नाली बनाई। जो अब भीषण गर्मी में पानी की कमी पूरा कर रही है। पहले पानी के लिए बहुत दिक्कतों को सामना करना पड़ता था। अब लकड़ी के पाइप के सहारे घर मे पानी आने से पेयजल के साथ ही नित्य क्रिया व खेती बाड़ी में भी पानी की दिक्कत नहीं होती है। सभी ग्रामीणों के सहयोग से यह सम्भव हो पाया है। -ग्रामीण

सुप्रीम कोर्ट के...

फेसबुक और इंस्टाग्राम में फर्जी आईडी बनाकर अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। साथ ही उन्होंने सभी से ऐसे आईडी को रिपोर्ट कर अनफॉलो करने की अपील की है। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा कि मेरे नाम से कोई फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर गलत पोस्ट कर मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि विरोधी पार्टी का हाथ हो सकता है। मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर एफआईआर के लिए लिखा है।

विवादों के बीच 483...

सड़क का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में रायपुर से विशाखापट्टनम पहुंचने में 12 से 14 घंटे तक लगते हैं। इस तरह नई सड़क बनने से समय और ईंधन की बचत तो होगी ही। आवागमन और व्यापार की दृष्टि से भी यह बेहद महत्वपूर्ण होगा। **पोर्ट सिटी से सीधे कनेक्ट होगा रायपुर**-रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच सड़क जंगल, पहाड़, ग्रीन फील्ड से होकर गुजरेगी। ऐसे में तीनों ही राज्यों में टूरिज्म को तो बढ़ावा मिलेगा ही। रायपुर से पोर्ट सिटी की सीधी कनेक्टिविटी व्यापार को नया आयाम देगी। यहां से कच्चा माल सीधे विशाखापट्टनम पहुंच सकेगा। यही वजह है इसे इकोनॉमिक कॉरीडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। एनएचएआई अफसर कहते हैं, 2026 में जून तक इसका निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।

कांकेर में सुरंग...

में ट्वीन टनल यानी दोहरे सुरंग का भी निर्माण किया जा रहा है। इस रोड में वाहनों की गति कम से कम 80 से 100 किलोमीटर होगी। ऐसे में वन्यजीवों का ध्यान रखते हुए 27 अंडरपास भी बनाए जा रहे हैं। कोंडागांव के पास से इन अंडरपास की शुरुआत होगी।

19 साल बाद...

उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे झगड़ों को खत्म करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने राज ठाकरे के सामने शर्त भी रखी है, उन्होंने कहा कि जो भी महाराष्ट्र के हित के खिलाफ होगा उसे घर बुलाकर खाना नहीं खिलाएंगे।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO Cream झाईगो 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे है? चेहरे पर मुहांसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- 24घंटे घरेलू कार्य करने हेतु एक लड़की एवं बाउंसर कम ड्राइवर चाहिए रहने खाने की सुविधा वेतन योग्यता अनुसार डीटेल व्हाट्सएप करें-9522523456 **(37484)**

आवश्यकता है- हॉस्टल साफ सफाई सुबह 9 से शाम 5 तक काम करने हेतू कर्मचारी चाहिए। सम्पर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(37486)**

आवश्यकता है-शादी कार्ड शोरूम में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं स्क्रीन प्रिन्टिंग हेतु प्रिन्टर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- उपहार काड्र्स, भाजपा कार्यालय के आगे करबला रोड बिलासपुर 9981163443, 8120751000 **(37482)**

आवश्यकता है-फर्नीचर शोरूम में कार्य करने हेतु लेबर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से शाम 5बजे, टुटेजा फर्नीचर, टेलीफोन एक्सचेंज के बगल में बिलासपुर 98271 50442 **(37477)**

आवश्यकता है-छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों वेतन 12000 एवं ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 93003 07926, 9993443207 **(37256)**

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रहकर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की आवश्यकता है वेतन 7000 प्रतिमाह 40वर्ष से ऊपर वाले ही सम्पर्क करें- 9827404638 **(37479)**

आवश्यकता है-एक अनुभवी कार चालक की आवश्यकता है पता बसंत विहार गेट के पास सीपत रोड बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827199008, 98271 80096 **(37456)**

आवश्यकता है-बिलासपुर में मकानों के निर्माण हेतु आवश्यकता है सिविल कॉन्ट्रेक्टर- 30, टाईल्स-15, प्लंबिंग- 10, इलेक्ट्रीशियन- 10, पेंटर- 15, एल्युमिनियम सेक्शन- 10, वुडनडोर- 10, पीवीसी डोर- 10, एसएस रेलिंग- 5, शटरिंग- 10, स्टील फिटर- 5 (कोटेशन सहित मिलें) अकाउंटेंट- 1, ड्राइवर- 2 पता- अनुमेष कंस्ट्रक्शन मनोहर टाकीज परिसर जूनाबिलासपुर 9229210939 **(37451)**

आवश्यकता है-कृषि दुकान में सेल्स कार्य हेतु 2 कर्मचारियों की आवश्यकता है बिलासपुर किसान परिवार के कम्प्यूटर जानकार, मोटर साइकल वाले को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 2 से शाम 7 बजे तक कृषि विजय शनिचरी बाजार बिलासपुर 9981145331 **(37472)**

आवश्यकता है-टूव्हीलर शोरूम में टूव्हीलर मैकेनिक- 3, पीडीआई मैकेनिक- 1, हेल्पर- 2, वाशिंग ब्वॉय- 2 की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9:30 से शाम 7बजे तक वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क 9644770066 **(37473)**

आवश्यकता है-मार्केटिंग मैनेजर- 1, फील्ड आफिसर- 10, काउंसलर- 1, टेलीकॉलर- 2 की आवश्यकता है योग्यता - गेजुएट, वेतन 6000 से 20000 सम्पर्क करें- मगरपारा रोड इंदु चौक, बिलासपुर 7489571912, 9329911454 **(37476)**

आवश्यकता है-रेस्टोरेंट में तन्दूर ब्वॉय, वेटर लड़की, लड़का, किचन हेल्पर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार, खाना रहना फ्री फ्रेशर लड़के लड़कियां भी सम्पर्क करें- रेस्टोरेंट मुर्ग मसल्लम मंदिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 7879121999 **(37467)**

आवश्यकता है-टैली प्राइम जानकार एवं अनुभवी 5 वर्ष के एकाउन्टेन्ट की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रीमियर मिनरल्स व्यापार विहार श्रीराम टॉवर बिलासपुर 9300795080 **(37483)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री में रहकर स्टॉक मेंटेनेंस कार्य करने हेतु युवक एवं ऑफिस कार्य हेतु युवती चाहिए (एकाउंटिंग साफ्टवेयर बीजी, MS Excel अनुभवी) सैलरी 10000 से 15000 अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क 79995 30880 **(37452)**

आवश्यकता है-होटल नटराज बिलासपुर में झाड़ू पोछा, कमरे की सफाई, बाथरूम की सफाई कार्य हेतु हाऊस कीपिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 तक सम्पर्क करें- 8889720720, 99778 61508 **(37466)**

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 **(37450)**

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में नर्सिंग कार्य हेतु लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता गजानन स्मृति हॉस्पिटल बलराम टॉकिज के पास, नेहरू नगर बिलासपुर मिलने का समय 1 से 2 दोपहर **(37490)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु सिविल इंजिनियर, सिविल सुपरवाइजर, अकाउंटेंट और कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क 6264315731 **(37448)**

आवश्यकता है-केयर टेकर (देख रेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, सम्पर्क करें- केरा रोड, जांजगीर 8604370647 **(37470)**

आवश्यकता है-सरगांव के आगे किरना में सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है वेतन 9000 से 10000, ड्यूटी 12घंटे, अपना आधार कार्ड एवं 3 फोटो सहित तत्काल सम्पर्क करें- 77738 95202, 8109314893 **(37478)**

आवश्यकता है-फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु 10 लड़के, 10 लड़कियां चाहिए पता- वीआर फर्निशिंग विशाल मेगा मार्ट केएफसी के बाजू में अशोक नगर चौक के पास, सीपत रोड बिलासपुर 98931 27584 **(37458)**

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में आर्डर लेने और वसूली करने के लिए एवं पैकिंग करने के लिए लड़के एवं लड़कियो की आश्यकता है सम्पर्क करें- 9111000629 **(37480)**

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- (1) रिंग रोड नं-2, महाराणा प्रताप चौक (2) भारतीय नगर चौक बिलासपुर 93299 41444 **(37469)**

आवश्यकता है-बिलासपुर में निम्न पदों के लिए लड़कियों और महिलाओं की आवश्यकता है फील्ड वर्क- 4, कुक- 4, कामवाली बाई- 5 ईमानदार, जिम्मेदार और मेहनती महिलाएं तुरंत सम्पर्क करें- 9244664654, 07752 446646 **(37459)**

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में काम करने हेतु अनुभवी मैनेजर, सेल्समेन सेल्सगर्ल की सेल्समैन शिप, एकाउंट हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क- चरण स्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 9300300333 **(37463)**

आवश्यकता है-एक अनुभवी हार्डवेयर इंजीनियर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- एपेक्स सिस्टम, मगरमारा रोड बिलासपुर 9826117961 **(37465)**

आवश्यकता है-प्रचार वाहन टाटा एश एवं कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (कार चलाने वाले को प्राथमिकता) एवं हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9039167202 **(37464)**

आवश्यकता है-लेथ आपरेटर, शेपर आपरेटर वैल्डर, हैल्पर एवं चौकीदार की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जोत इंजीनियरिंग सेक्टर- ए, जेसीबी के पीछे इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 7828070065 **(37468)**

आवश्यकता है-कूलिंग साल्यूशन मगरपारा रोड बिलासपुर में एसी रियेयर मिस्त्री, हेल्पर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार काम सीखने वाले लड़के ही संपर्क करें 8817881609, 07752 450511 **(37455)**

आवश्यकता है-बिलिंग विभाग- 1 पुरुष, डिस्पैच विभाग- 2, सेल्स एसोसिएट- 3, पेन्ट्री विभाग- 1, ड्राइवर -1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय, मसानगंज रोड, बिलासपुर 92381 07105, 9238107108 **(37453)**

आवश्यकता है-एक तंदूरी व एक तवा रोटी मिस्त्री, एक आलराउडर मिस्त्री, दो सप्लायर एक हेल्पर तथा दो लेडिस वेटर चाहिए ढ़ाबा में काम कर चुके ही सम्पर्क करें- पंजाबी भोजनालय फैमली ढ़ाबा श्री गुरूनानक चौक तोरवा बिलासपुर 8818800022, 9827978905 **(37447)**

आवश्यकता है-थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़कों व लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीसाईं टैक्स, भाजपा कार्यालय के पास, करबला रोड, बिलासपुर 7415105000 **(37462)**

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फी) खाने कि सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो कार्या.- शाप नं-8 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 0771-4036689, 97703 04037, 8120957510 **(046)**

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन कंपनी में 1 कार ड्राइवर और 2 होनहार मैथ्स ग्रेजुएट लड़को की आवश्यकता है वेतन ट्रेनिंग के बाद 15-20 हजार। समय 11 से 9 तक सम्पर्क- पुराना बस स्टैंड बिलासपुर 98279 59907 **(37441)**

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़को स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, योग्यता 10वीं, 12वी, एंड टैली डेटा एंट्री ऑपरेटर की संपर्क-श्री विनायक सेल्स, अज्ञेय नगर 9893367787 **(049)**

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है, सैलरी- 5000/- से 20000/- कमाने का अवसर, संपर्क करें:- नूतन चौक सरकंडा बिलासपुर 8305768707, 9131371409 **(050)**

आवश्यकता है-चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों और लेबर कार्य हेतु पुरुष एवं ड्राइवर की जरूरत है संपर्क करें- SBI एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर 74699 80000, 07714075490 **(3450)**

आवश्यकता है-कपड़े शोरूम में काम हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 से 100001 सम्पर्क करें- न्यूलुक कलेक्शन बृहस्पति बाजार चौक राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9238247005 **(37284)**

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र संपर्क करे- 63952 68809, 7252820491 **(319)**

आवश्यकता है- हिन्दी फिल्म एवं धारावहिक में कार्य करने के लिए एक्टर (कलाकार) बनने के इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें प्रत्येक रविवार सुबह 10 बजे से 12 बजे ओम आलौकिक आश्रम ग्राम बोरसी (मुरमन्दा) धमधा जिला दुर्ग 70247 97456 **(3844)**

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग, ऑफिस कार्य हेतु लड़कीयों, महिलाओं चाहिए योग्यता 8वीं से ग्रेजुएट सैलरी 5000+ कमीशन+ वीकली+ बोनस काम सीखने के बाद कमाए 20000 से 30000 सम्पर्क- सरजू बगीचा रोड तेलीपारा, सिंधी कॉलोनी ग्रामीण बैंक के पास बिलासपुर 7974892973, 748982 4791 **(37487)**

आवश्यकता है-सी.एस.डी. कैंटीन रायपुर के लिए मैनेजर- 22000, असिस्टेंट मैनेजर- 21000, अकाउंट क्लर्क/ ऑफिस क्लर्क- 16000 दुर्ग एवं बिलासपुर के लिए जे.सी.ओ. इंचार्ज- 21000, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर के लिए स्टोर होल्डर- 18000, बिलिंग क्लर्क/ बिल चेकर/ एमटीएस- 15000, सफाई कर्मी- 10700, आवेदन Email ID hqcosaurc1985@gmail.com पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक करें। अधिक जानकारी के लिए https://www.hqcosaraipururc.in पर विजिट करें। संपर्क 9685726593 **(048)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35वर्ष, वेतन 5000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें- साईं मंदिर के पास नेहरू नगर बिलासपुर 7805932585 **(045)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 30 साल तक संपर्क करे- ऑफिस टाइम 10 से 5:30 बाल उद्यान के पास राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9770245205 **(051)**

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कंपनी में कार्य हेतु अनुभवी सेल्स स्टाफ (सैलरी और कमीशन) ड्राइवर, चौकीदार की आवश्यकता हैवेतन योग्यता अनुसार संपर्क-राज किशोर नगर चौक बिलासपुर 8839002378 **(052)**

आवश्यकता है- नोट बुक फैक्ट्री में कार्य करने हेतु लड़के /लड़कियों की आवश्यकता है (वेतन योग्यतानुसार), सम्पर्क करें:- श्याम इंटरप्राइजेज साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर मो 9074741377 **(056)**

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 **(37283)**

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके अंबिकापुर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 93033 74409,8279232601 **(0325)**

आवश्यकता है-राय कंस्ट्रक्शन (सिविल वर्क) कार्य करने हेतु साइट सुपरवाइजर एवं साइट इंजीनियर की आवश्यकता है जिसे कार्य का अनुभव हो सम्पर्क- 9827102834, 7999940761 **(055)**

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें 81090 70600 **(7086)**

बेचना है

बेचना है- महामाया रेसीडेन्सी कालोनी कोनी में निर्मित 4BHK भवन शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7049009079 **(37485)**

बेचना है- दिल्ली आईएएस एकेडमी के पास डबल स्टोरी मकान, जेपी विहार 2BHK मकान, 27खोली 20×70, शान्ति नगर 34×62, यदुनंदन नगर 40×50, गंगा नगर 20×50 प्लाट बेचना है। ग्राहक सम्पर्क करें- 9827199318 **(37488)**

बेचना है- देवरीखुर्द मंगल विहार कालोनी में न्यू कंस्ट्रक्शन 3BHK डबल मंजिल मकान शानदार लोकेशन कार पार्किंग 3 बेडरूम हॉल किचन बालकनी कीमत 35लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9301227779 **(37489)**

बेचना है-नेहरू नगर चटर्जी गली मे मेन रोड से 100मी. अंदर 50×58= 2900 वर्गफिट 25फिट रोड बाउंड्रीवाल से घिरा 10फिट का गेट लगा प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- सचिन पाण्डेय 7987968317 **(37475)**

बेचना है- ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन, कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन, अपोलो हॉस्पिटल, SECL मुख्यालय मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क- 83192 51951, 7828225044 **(054)**

बेचना है-पौसरा नगोई 4 एकड़, मोहतराई 8 एकड़ 25 डिस., गतौरी 59 डिस, सेंदरी 69 डिस, 30 डिस, 7 एकड़ 32 डिस, कछार 24 एकड़, निरतु 1 एकड़ 14 डिस., घुटकू 4 एकड़, खमतराई 1 एकड़ 64 डिस, 2 एकड़ 54 डिस, नगोई बिजौर बिलासपुर में 2 एकड़ 50 डिस. का शानदार जमीन बेचना है सम्पर्क 95757 88444 **(053)**

बेचना है- 630 और 800 +370 फीट के कॉमर्शियल हॉल, सभी शासकीय अनुमति प्राप्त व्यवसायिक परिसर में चकरभाटा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट से वाकिंग डिस्टेंस, बिलासपुर हवाई अड्डा से नजदीक, बहुत वाजिब कीमत में बेचना या किराये से। सम्पर्क- 9826130163, 8770523386 **(37460)**

बेचना है-25×50= 1250 वर्गफुट डाइवर्टेड प्लॉट प्लीन्थ लेबल पूर्ण, बोर किया हुआ, नक्शा पास डबल रोड में तत्काल बेचना है। पता- गणेश विहार, साईं आनंदम के पास उसलापुर बिलासपुर 93405 82883, 9301227779 **(37481)**

बेचना है-अज्ञेय नगर 30×50 अल्का एवेन्यू 45×85 शान्ती नगर 30×54, डबल स्टोरी मकान अपोलो हास्पीटल 24×64, शुभम विहार 72×43 24×43, 36×43, मरीमाई मेन रोड 132×82 पटवारी प्रशिक्षण कार्यालय 105×166 सम्पर्क- 9425540759 **(37245)**

बेचना है- मस्तुरी से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर पत्थर खदान के लिए उपयुक्त 10 एकड़ का प्लॉट तत्काल बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - 9300327714 **(37433)**

किराया

किराया-400 वर्गफुट का हॉल अटैच बाथरूम द्वितीय तल में किराये से देना है। रिंग रोड नं.-2, अपना सुपर बाजार के सामने नर्मदा नगर बिलासपुर में सम्पर्क- 9111938860 रोशन साहू 7470527270 **(37474)**

किराया- SECL मुख्यालय के बाजू से बहतराई रोड में स्थित 14000 वर्गफुट सर्व सुविधा युक्त कमर्शियल बिल्डिंग (G+1) (बेसमेंट, लिफ्ट, पार्किंग) को किराये/ लीज पर देना है। सम्पर्क करें- 9692626326, 94255 32166 **(37457)**

Medicare Specialists
गुप्त रोगों का सफल ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी
लिंग में छोटापन।
शीघ्र पतन
पेशाब से धातु जाना।
लिंग में ढीलापन,
शुक्राणु की कमी।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME

(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50

Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25

1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS

Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com

Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

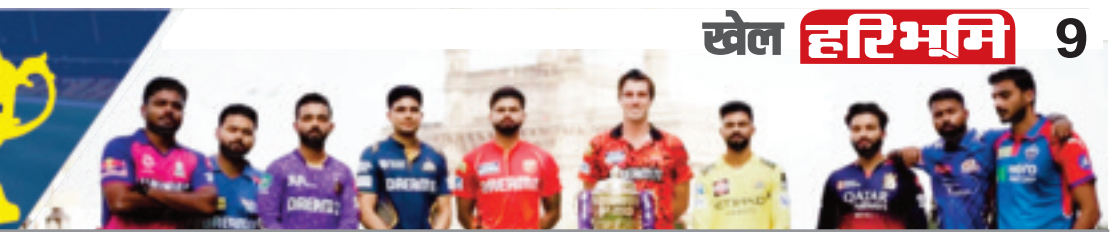

दो रन से जीती सुपर जाइंट्स, सूर्यवंशी ने डेब्यू में जीता दिल

एजेंसी ▶▶| जयपुर

तेज गेंदबाज आवेश खान की डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए दो रन से जीत दर्ज की। सुपर जाइंट्स के 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 74 रन की पारी की बदौलत रॉयल्स की टीम एक समय दो विकेट पर 156 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी लेकिन आवेश (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी।

जायसवाल ने पदार्पण कर रहे वैभव सूर्यवंशी (34) के साथ पहले विकेट के लिए 85 और कप्तान रियान पराग (39 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आवेश ने 18वें ओवर में जायसवाल और पराग दोनों को आउट करके मैच का रुख सुपर जाइंट्स के पक्ष में मोड़ा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इससे पहले एडेन मारक्रम की 45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 66 रन की पारी और आयुष बडोनी (50 रन) के साथ चौथे विकेट की उनकी 76 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 180 रन बनाए। अब्दुल समद (नाबाद 30) ने पारी के अंतिम ओवर में चार छक्कों से 27 रन जोड़े।

सूर्यवंशी बने आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर

14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की ओर से पदार्पण करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। सिर्फ 14 साल और 23 दिन के सूर्यवंशी उस समय दर्शकों के चहेते बन गए जब उन्होंने शारदुल ठाकुर पर अपनी पहली गेंद पर जोरदार छक्का जड़ा। सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 की नीलामी में इतिहास रच दिया था जब 13 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में वह आईपीएल अनुबंध पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उन्हें रॉयल्स ने एक करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	7	5	2	10
दिल्ली	7	5	2	10
पंजाब	7	5	2	10
बेंगलुरु	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
राजस्थान	7	2	5	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
357 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
14 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : टाइटन्स ने कैपिटल्स को सात विकेट से हराया

कृष्णा का 'चौका', बटलर के नाबाद अर्धशतक से शीर्ष पर पहुंचा गुजरात

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जोस बटलर (नाबाद 97 रन) के अर्धशतक की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के 10-10 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट से शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम पहले स्थान पर पहुंच गई।

जीत के लिए 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बटलर और शेरफाने रदरफोर्ड (43 रन) ने गुजरात टाइटन्स के लिए तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 119 रन की रिकॉर्ड साझेदारी बनाई। घरेलू टीम के लिए इससे पहले तीसरे विकेट के लिए साझेदारी का रिकॉर्ड 90 रन का था। बटलर ने 54 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और चार छक्के जड़े जबकि रदरफोर्ड ने 34 गेंद में एक चौके और तीन छक्के जड़े। बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि अंतिम ओवर में राहुल तेवतिया ने मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर छक्का जड़ा और अगली गेंद पर चौका जड़कर चार गेंद रहते जीत दिलाई।

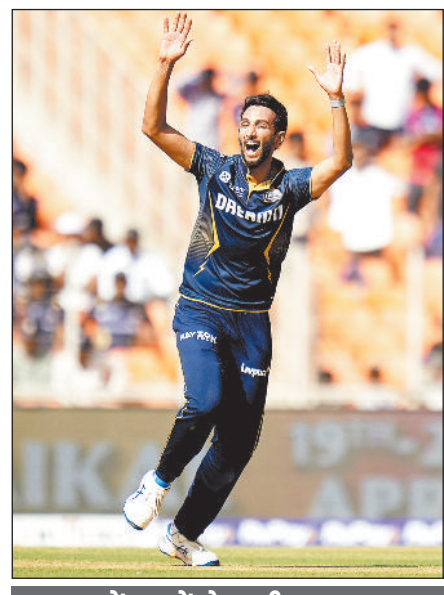

गेंदबाजों ने कसी लगाम

कृष्णा के चार विकेट लेने के बावजूद अच्छी शुरुआत से बड़े स्कोर की ओर बढ़ती हुई दिल्ली कैपिटल्स की टीम आठ विकेट पर 203 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम कई मौकों पर बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने हर मौके पर वापसी करते हुए उसके बल्लेबाजों पर लगाम कसी। कप्तान अक्षर पटेल ने 39 रन और आशुतोष शर्मा ने 37 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स और करूण नायर ने 31-31 रन बनाए।

सिराज ने पहले ओवर में लुटाए 16 रन

गुजरात टाइटन्स के लिए मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ओवर में 16 रन लुटाए जबकि दूसरे स्पैल के दो ओवर में 14 रन देकर एक विकेट झटका। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने तीन ओवर में 19 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। स्पिनर साई किशोर ने बस अंतिम ओवर डाला जिसमें उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को महज नौ रन बनाने दिए और एक विकेट आशुतोष शर्मा के रूप में लिया। अगर आशुतोष डटे रहते तो यह स्कोर बड़ा हो सकता था।

राहुल के सबसे तेज 200 छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन में केएल राहुल का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मिडिल ऑर्डर के रीढ़ हड्डी बन गए हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केएल राहुल ने एक खास उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने आईपीएल में 200 सिक्स जड़ने का कमाल किया। वह सबसे कम पारियों में 200 सिक्स पूरा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पोरेल का सिराज बो अरशद	18	09	3	1
नायर का अरशद बो कृष्णा	31	18	2	2
राहुल पगाबाधा बो कृष्णा	28	14	4	1
अक्षर का बटलर बो कृष्णा	39	32	1	2
स्टब्स का कृष्णा बो सिराज	31	21	2	1
आशुतोष का सब बो किशोर	37	19	2	3
निगम का बटलर बो कृष्णा	00	01	0	0
फरेरा का किशोर बो ईशांत	01	03	0	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	02	02	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	04	01	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 203/8
गेंदबाजी : सिराज 4-0-47-1, अरशद 4-0-46-1, कृष्णा 4-0-41-4, राशिद 4-0-38-0, ईशांत 3-0-19-1, साई किशोर 1-0-9-1.

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का स्टब्स बो कुलदीप	36	21	5	1
शुभमन गिल रन आउट	07	05	1	0
जोस बटलर नाबाद	97	54	11	4
रदरफोर्ड का स्टार्क बो मुकेश	43	34	1	3
राहुल तेवतिया नाबाद	11	03	1	1

अतिरिक्त : 10, कुल : 19.2 ओवर में 204/3
गेंदबाजी : स्टार्क 3.2-0-49-0, मुकेश 4-0-40-1, अक्षर 2-0-18-0, निगम 4-0-34-0, कुलदीप 4-0-30-1, मोहित 2-0-28-0.

खास खबर

भारतीय टीम से छुट्टी होने के बाद कोलकाता से जुड़े नायर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को आठ महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था। टीम इंडिया से बाहर होने के कुछ दिनों बाद ही अभिषेक नायर को नई नौकरी मिल गई है। दरअसल, पिछले सीजन की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स ने अभिषेक नायर को अपने साथ जोड़ लिया है। वह असिस्टेंट कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। कोलकाता नाइटराइडर्स ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की है। केकेआर ने एक्स पर अभिषेक नायर की एक तस्वीरे शेयर की है। इसमें वह कोलकाता की जर्सी में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गयाा, घर वापस आने पर आपका स्वागत है। नायर पहले भी कोलकाता की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं।

यह चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि यहां का विकेट चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं है तथा उनके बल्लेबाजों का पिछले मैचों से सबक नहीं लेने के कारण उन्हें अपने घरेलू मैदान पर लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। आरसीबी को शुक्रवार को बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स से भी हार गया था।

युजवेंद्र चहल सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक

बेंगलुरु। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युजवेंद्र चहल को इंडियन प्रीमियर लीग के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्होंने इस लेग स्पिनर से निजी बातचीत में रन जाने की चिंता करने के बजाय विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। चहल मौजूदा आईपीएल में शुरू में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन उन्होंने अब अपनी लय हासिल कर ली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट लेकर पंजाब की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई।

खबर संक्षेप

छेत्री ने किया 39 संभावित खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने जून-जुलाई में होने वाले एएफसी एशियाई कप 2026 क्वालीफायर से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए शनिवार को 39 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला टीम 23 जून से पांच जुलाई तक थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर खेलने के लिए तैयार हैं। टीम को ग्रुप बी में रखा गया है जहां उनका सामना मेजबान थाईलैंड, मंगोलिया, तिमोर-लेस्ते और इराक से होगा। सीनियर महिला टीम का शिविर एक मई को बेंगलुरु के 'पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' में शुरू होगा।

सौरभ उम्मीदों और लक्ष्यों को लेकर चिंतित नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो साल के अंतराल के बाद वापसी कर रहे भारतीय पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी ने कहा कि वह पदक जीतने, लक्ष्य निर्धारित करने और उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपनी नींद गंवाने की जगह कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अतीत में भी इन चीजों को लेकर परेशान नहीं थे। भारतीय निशानेबाजी में सबसे तेजी से उभरते युवा से लेकर खराब फॉर्म के कारण गुमनामी में जाने तक इस 22 साल के निशानेबाज ने कम समय में करियर में बड़ा उतार चढ़ाव देखा है।

नए खिलाड़ियों को आजमाएगा सीएसके

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पांच बार की विजेता टीम के इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में मुश्किल स्थिति में होने की बात को स्वीकार करते हुए कहा कि अगर अगले दो मैच योजना के अनुसार नहीं होते हैं तो टीम आईपीएल के दूसरे भाग में अनुभवी खिलाड़ियों की जगह नए चेहरों को लाने में संकोच नहीं करेगी। चेन्नई की टीम सात मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में आखिरी पायदान पर है। चेन्नई को हालांकि अनुभवी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए जाना जाता है।

इंडियन प्रीमियर लीग

'नाम बड़े दर्शन छोटे'... करोड़ों में बिके लेकिन प्रर्दशन जीरो

सबसे महंगे 27 करोड़ी पंत ने बनाए 103 रन

आईपीएल इतिहास में 27 करोड़ रुपए में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर चुने गए ऋषभ पंत के लिए यह सीजन काफी खराब रहा है। 7 मैचों में उन्होंने 17.17 की औसत और 100 से कुछ ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 103 रन बनाए हैं। उनका एकमात्र महत्वपूर्ण योगदान चेन्नई के खिलाफ़ 63 रन की पारी के रूप में आया, जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'नाम बड़े दर्शन छोटे' का मुहावरा आईपीएल के 18वें सीजन में बिके बड़े खिलाड़ियों पर सटीक बैठ रहा है। इस सीजन अपने प्रदर्शन से कई खिलाड़ियों ने फैंस के दिल में जगह बनाई है। लेकिन कई खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनसे उम्दा प्रदर्शन की दरकार थी लेकिन मोटी रकम के बाद भी उनका अबतक प्रदर्शन फीका ही रहा है। आइए ऐसे 5 खिलाड़ियों की बात करते हैं जिनके ऊपर फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपए लगाए लेकिन उनकी परफार्मेंस सवालों में ही रही है।

वेंकटेश अय्यर : 121 रन

कोलकाता ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ की मोटी रकम में अपनी टीम में शामिल किया था। लेकिन अय्यर के बल्ले से अबतक खेले गए 7 मैचों में केवल 24.5 की औसत और 155.05 की स्ट्राइक रेट से 121 रन बनाए हैं। उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 60 रन की पारी थी।

ग्लेन मैक्सवेल : 41 रन

पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल को 4.2 करोड़ की रकम में अपने साथ रखा है। लेकिन अब तक खेले गए 6 मैचों में मैक्सवेल के बल्ले से केवल 41 रन ही निकले हैं। उनका औसत 8.20 का है। लंबे-लंबे चौके और छक्के लगाने के लिए मशहूर मैक्सवेल के बल्ले से इस सीजन केवल 4 चौके और एक छक्का ही निकला है।

रोहित शर्मा : 82 रन

रोहित शर्मा आईपीएल में अपनी टीम मुंबई इंडियंस की पहचान रहे हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में 5 बार इस टीम को खिताब जिताया है। लेकिन 16 करोड़ से ज्यादा की मोटी रकम लेने वाले रोहित शर्मा के लिए ये सीजन किसी बुरे सपने की तरह ही है। रोहित ने अबतक खेले गए 6 मैच में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका हाईएस्ट स्कोर ही 26 रन है।

मार्कस स्टोइनिस : 66 रन

मार्कस स्टोइनिस (पंजाब किंग्स) को पंजाब किंग्स ने 11 करोड़ में खरीदा था। उनके लिए भी ये सीजन अबतक अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैचों में केवल 66 रन बनाए हैं। उनकी सबसे धमाकेदार पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ़ आई थी।

सुपर कप के पहले मैच में ईस्ट बंगाल का सामना केरल से आज

भुवनेश्वर। गत चैंपियन ईस्ट बंगाल की टीम रविवार को यहां कलिंगा सुपर कप के उद्घाटन मैच में केरल ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उसकी कोशिश 15 टीम वाले इस टूर्नामेंट में अपनी ट्रॉफी बरकरार रखने के साथ अगले सत्र के एएफसी चैंपियंस लीग 2 के लिए एकमात्र उपलब्ध स्थान को हासिल करने की होगी। इस टूर्नामेंट के पिछले दो सत्र में ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल हुआ था लेकिन इस सत्र में 2018 और 2019 की तरह नॉकआउट प्रारूप होगा। इसका मतलब यह है कि हर मैच 'करो या मरो' होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले साल अतिरिक्त समय तक चले फाइनल में ओडिशा एफसी को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। टीम ने इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। केरल ब्लास्टर्स राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली ट्रॉफी जीतने की कोशिश में है। दोनों टीमों का इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, वे क्रमशः नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। इस मुकाबले के विजेता का सामना 26 अप्रैल को पहले क्वार्टर फाइनल में मोहन बागान सुपरजायंट से होगा।

शर्मनाक! टी20 मैच में खेले पूरे 20 ओवर, बनाए सिर्फ 33 रन

कराची। टी20 क्रिकेट में कोई बल्लेबाज ओपनिंग करने उतरता है तो उससे क्या उम्मीद होती है? वह टीम को तेज शुरुआत देगा। गेंदबाजों पर अटैक करके अपनी टीम का दबदबा कायम करेगा। अगर ओपनर पूरे 20 ओवर तक खेलता है और अंत में नाबाद लौटता है तो सभी सोचेंगे कि उसने शतक बनाया होगा। ताबड़तोड़ी बैटिंग से गेंदबाजों का जीना मुश्किल कर दिया होगा लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग में इसका उल्टा देखने को मिला है।

साउद शकील पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रमुख खिलाड़ी हैं। वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी कर रहे हैं। कराची किंग्स के खिलाफ वह सलामी बल्लेबाजी करने उतरे। शकील ने पारी की पहली गेंद खेली। 20 ओवर खत्म होने के

बाद वह नाबाद पवेलियन लौटे। इस दौरान शकील के बल्ले से सिर्फ और सिर्फ 33 रन निकले। यानी पूरे 20 ओवर बैटिंग करने के बाद सिर्फ 33 रन। साउद शकील ने दूसरे ओवर में एक चौका लगाया। तीसरे ओवर में उनके बल्ले से एक चौका निकला। इसके बाद उन्होंने अगले 17 ओवर में सिर्फ एक चौका लगाया। 33 रन बनाने के लिए उन्होंने 40 गेंदों का सामना किया।

भारतीय टीमों ने की ब्रिज विश्व चैंपियनशिप में एंट्री

नई दिल्ली। भारत ने दुबई में एशिया एवं पश्चिम एशिया ब्रिज महासंघ के टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक हासिल किया तथा पदक जीतने वाली टीमों ने अगली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर ली। विश्व ब्रिज महासंघ के तत्वावधान में 10 से 18 अप्रैल के बीच आयोजित टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष, महिला और सीनियर टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिश्रित टीम ने रजत पदक जीता। चारों भारतीय टीमों ने 20 से 31 अगस्त तक डेनमार्क के हर्निंग में होने वाली 47वीं विश्व ब्रिज चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली 35 देशों की 66 टीमों में भारत भी शामिल होगा। खेल मंत्रालय 2017 से ही भारतीय ब्रिज महासंघ को सहायता दे रहा है।

मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण

भारतीय घरेलू हॉकी में है अच्छी गहराई और गुणवत्ता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने शनिवार को कहा कि देश की हॉकी में काफी गहराई है और मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण होंगे। फुल्टन को हाल में समाप्त हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान भारत की क्षेत्रीय प्रतिभा को जानने और समझने का मौका मिला।

फुल्टन ने कहा, 'जब हमने अपनी मजबूती पर जोर दिया तो मैच काफी करीबी रहे। भारतीय

हॉकी में काफी गहराई है विशेषकर गोलकीपिंग और कुछ अन्य क्षेत्रों में जिसे देखना बहुत अच्छा था। उन खिलाड़ियों को पहचानना भी उत्साहजनक था, जिन्होंने पहले लीग में भाग नहीं लिया था।' मुख्य कोच ने क्षेत्रीय टीमों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि जहां विजेता पंजाब का मजबूत पक्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी था, वहीं शीर्ष चार टीमों ने कुल मिलाकर अच्छे संतुलन और गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'कुछ क्षेत्र निश्चित रूप से दूसरों की तुलना में मजबूत थे। उदाहरण के लिए, पंजाब सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ उतरा था जिसका उसे फायदा मिला। इसके अलावा शीर्ष चार टीमों में प्रतिभा का अच्छा संतुलन था।'

सही खिलाड़ियों को खोजने पर ध्यान

फुल्टन ने एशिया कप चक्र के लिए एक नए कोर ग्रुप के गठन के संदर्भ में कहा कि उनका ध्यान खिलाड़ियों की उम्र पर नहीं बल्कि विशिष्ट भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को खोजने पर है। उन्होंने कहा, 'यह अधिक युवा खिलाड़ियों को लाने के बारे में नहीं है। यह उचित भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों की पहचान करने से जुड़ा है। हम जल्द ही एक अभ्यास शिविर आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें 54 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें से 40 खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। हम खेल के प्रत्येक विभाग में मजबूती चाहते हैं। अगले 18 महीने मजबूत बेंच स्ट्रेंथ वाली टीम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।'

भरण-पोषण मामले में बड़ा फैसला- सहमति से तलाक फिर भी पति को देना होगा पत्नी को महीने का खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल ने तलाक और भरण पोषण के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक तलाकशुदा पत्नी की दूसरी शादी नहीं हो जाती, वह भरण-पोषण की हकदार होती है। यह पति की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है कि वह अपनी पूर्व पत्नी को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करे। इस आदेश के साथ ही कोर्ट ने कहा कि आपसी सहमति के बाद भी पति को भरण-पोषण के लिए भत्ता देना होगा। हाईकोर्ट ने इस मामले में फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए पति की याचिका को खारिज कर दी है।

- हाईकोर्ट ने कहा-पत्नी की दूसरी शादी नहीं होती तब तक पहले पति की जिम्मेदारी

दरअसल, मुंगेली जिले के एक युवक और युवती की शादी 12 जून 2020 को हुई थी। कुछ ही समय बाद उनके बीच विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद महिला ने आरोप लगाया कि उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है और घर से निकाल दिया गया है। 27 जून 2023 को महिला ने मुंगेली के फैमिली कोर्ट में 15,000 प्रतिमाह भरण-पोषण की मांग करते हुए परिवाद दायर की। उसने बताया कि उसका पति ट्रक ड्राइवर है और खेती से भी सालाना दो लाख रुपए की कमाई होती है। जवाब में युवक ने कोर्ट में दावा किया कि पत्नी बिना कारण ससुराल छोड़ चुकी है। जिसके बाद दोनों का आपसी सहमति से तलाक 20 फरवरी 2023 को हो चुका है। इसलिए वह किसी भी तरह से भत्ता देने का हकदार नहीं है।

फैमिली कोर्ट ने भी दिया था आदेश

दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैमिली कोर्ट ने अक्टूबर 2023 में महिला को प्रतिमाह 3,000 रुपए भरण-पोषण देने का आदेश दिया। युवक ने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि महिला ने दूसरी शादी कर ली है और अब भत्ते की हकदार नहीं है। इसके समर्थन में युवक एक कथित पंचनामा और कवरिंग लेटर दाखिल किया, लेकिन हाईकोर्ट ने उसे कानूनी रूप से अप्रासंगिक बताया, क्योंकि वह अभिप्रमाणित नहीं है। जस्टिस अग्रवाल ने कहा कि, तलाकशुदा पत्नी, जब तक वह पुनर्विवाहित नहीं हो जाती, वह भरण-पोषण की हकदार होती है।

अपराध में लिप्त कर्मचारी पिछला वेतन प्राप्त करने का हकदार नहीं हो सकता

- हाईकोर्ट का फैसला- मौलिक नियमों का नियम 54-बी लागू नहीं होगा

हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि अपराध का दोषी ठहराए गया कर्मचारी पिछला वेतन पाने का हकदार नहीं हो सकता है। फैसले में एकल पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता का मामला यह नहीं है कि, उसे निलंबित किया गया था और निलंबन रद्द करते हुए उसे बहाल करने का निर्देश दिया गया था। उसे अधिकार क्षेत्र वाली आपराधिक अदालत द्वारा आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराए जाने पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, इसलिए मौलिक नियमों का नियम 54-बी लागू नहीं होगा। याचिकाकर्ता राम प्रसाद नायक छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में पर्यवेक्षक (सिविल) के पद पर कार्यरत था। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7, 13(1)(डी) और 13(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया गया था। हालांकि तीन साल के भीतर मुकदमा समाप्त नहीं हो सका, इसलिए निलंबन रद्द कर दिया गया था। बाद में विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर की अदालत ने याचिकाकर्ता को दोषी ठहराया और परिणामस्वरूप, उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इसके खिलाफ उसने अपील की और बाद में उसे बरी कर दिया गया। इस बीच, वह सेवानिवृत्त हो गया। बरी होने के बाद, याचिकाकर्ता ने पिछले वेतन की मांग करते हुए अधिकारियों के समक्ष कई अभ्यावेदन किए, फिर व्यथित होकर याचिकाकर्ता ने उक्त आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने अब फैसले में याचिका स्वीकार नहीं की और कहा कि अपराध का दोषी ठहराए गया कर्मचारी पिछला वेतन पाने का हकदार नहीं हो सकता है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने सिविल सोसाइटी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

रायपुर। पश्चिम बंगाल में कानून की भयावह स्थिति और हिंदुओं पर हो रहे हमले को देखते हुए पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई है। छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी ने इस मामले में राष्ट्रपति को पत्र प्रेषित किया है। उनका तर्क है कि राज्य प्रशासन संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल हो रही है।

छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी के संयोजक डॉ. कुलदीप सोलंकी ने पत्र में उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल में संगठित हमले और भीड़ की हिंसा के कारण हिंदू समुदाय को जान-माल की हानि हो रही है। आतंक के माहौल की वजह से कई परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है। राज्य शासन इसे रोक पाने में असफल हो रहा है ।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

ओम हॉस्पिटल
जोड़ एवं हड्डी रोग विभाग
- फ्रैक्चर का ईलाज, जोड़ प्रत्यारोपण
- जोड़ो की चोटो का दूरबीन द्वारा ईलाज
- सियाटिका, स्लिप डिस्क, कमर दर्द का ईलाज
- जोड़ो का दर्द व गठिया (arthritis) का ईलाज
- हड्डी का ना जुड़ना या हड्डी में मवाद पड़ने का ईलाज
- हाथ पैर में जन्मजात विकृतियों का ईलाज
- इम्पोर्टेड CR मशीन द्वारा डिजिटल एक्स-रे की सुविधा

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
#Rajesh

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
डायलिसीस
- सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
- हिमोडायलिसीस
- पेरीटोनियल डायलिसीस
- सीएपीडी
- बच्चों की किडनी की बामारियों का ईलाज

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

डिप्टी सीएम से चर्चा के बाद हड़ताल स्थगित

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शासकीयकरण और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पिछले 32 दिनों से हड़ताल पर बैठे पंचायत सचिवों ने राज्य स्तरीय हड़ताल को स्थगित करने का फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कोमल निषाद ने बताया कि डिप्टी सीएम और पंचायत मंत्री विजय शर्मा से हुई बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया है।

- पंचायत विभाग की कमेटी की रिपोर्ट अगले वर्ष आने के बाद शासकीयकरण पर विचार

प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पंचायत सचिव धरने पर बैठे थे। साथ ही 28 अप्रैल को दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन की तैयारी भी की गई थी। सरकार से हुई सकारात्मक बातचीत के बाद आंदोलन को फिलहाल रोक दिया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गठित कमेटी 2026 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट पेश करेगी, जिसके आधार पर पंचायत सचिवों का शासकीयकरण किया जाएगा।

साथ ही यह तय किया गया कि चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के लिए नई मार्गदर्शिका भी जल्द जारी की जाएगी। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि वर्तमान में 15 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सचिवों के वेतन सत्यापन से जुड़ी विसंगतियों को दूर किया जाएगा और आंदोलन की अवधि में रुका हुआ वेतन भी शीघ्र स्वीकृत किया जाएगा। चार दिन तक चली चर्चा के बाद बनी इस सहमति को पंचायत सचिवों ने संघर्ष की आंशिक जीत मानते हुए हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया है।

पंचायतों के कामकाज हो रहे थे प्रभावित

उल्लेखनीय है कि 17 मार्च से चली आ रही पंचायत सचिवों की हड़ताल के कारण पंचायत में कामकाज पूरी तरह से प्रभावित हो रहा था। नए सरपंचों को कार्यभार लेने और अन्य कार्यों में दिक्कत आ रही थी। मामले में विभागीय सचिव ने दो बार सचिवों से काम पर लौटने की अपील भी की थी। अपील के बाद मंत्री से कई दौर की चर्चा के बाद हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

तस्कर पकड़ा गया, 60 हजार का गांजा जब्त

रायपुर। ग्राहक की तलाश में थैले में गांजा लेकर घूम रहने मुंगेली के तस्कर को गंज पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी से 60 हजार का गांजा बरामद किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नहरपारा इलाके में एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है। इस आधार पर पुलिस टीम घटना स्थल पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी संदीप श्रीवास पहले तो बहाना बनाता रहा, मगर बाद में उसने आरोप स्वीकार लिया। आरोपी के खिलाफ 20 बी नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में
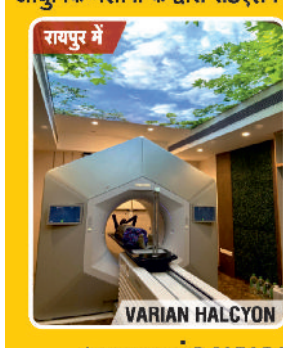
VARIAN HALCYON
भिलाई में
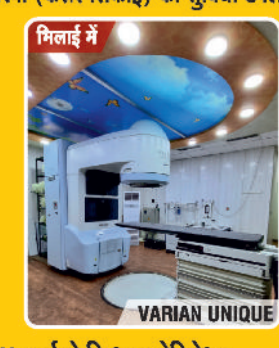
VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी (कैंसर का सेंकाई से इलाज)
एवं सटीक स्टेजिंग हेतु पेट स्कैन

मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ट्रीटमेंट के लिए पूर्ण NABH से मान्य
आयुष्मान भारत से नि:शुल्क रेडियोथेरेपी
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी, रायपुर
7389904010, 07714081010

HONDA
The Power of Dreams
How we move you.
CREATE ▸ TRANSCEND, AUGMENT

ACTIVA
110CC & 125CC

3 YEAR FREE SERVICE MAINTENANCE PACKAGE
WORTH ₹5500/-*

CASHBACK OF 5%
UP TO ₹5000/-#

LOW ROI
@ 7.99%**

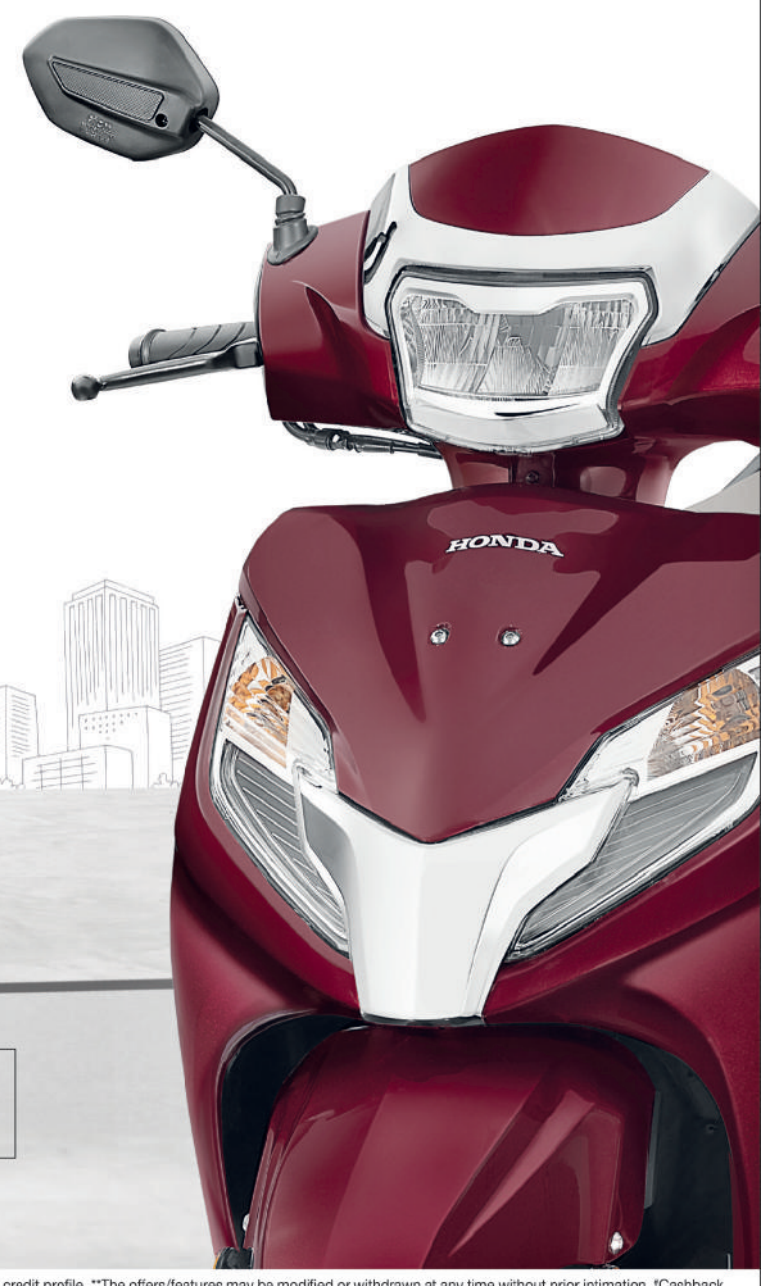

Activa Range Starts at ₹83343/-^ Ex-Showroom

Honda RoadSync App
Smart Coloured TFT with 3 Modes
Smart Key Technology

IDFC FIRST Bank CREDIT CARDS#

Terms and Conditions apply. **Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. **The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. **The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #Cashback Offer available on selected models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. #Customers can avail 5% Instant cashback, up to a maximum of ₹ 5000. #Valid on one transaction per card/order during the offer period. #The scheme is available in selected outlets only. *3 Years Free Service Maintenance Package is available only on Deluxe variant of Activa 110 and Activa 125. *For detailed Terms and Conditions of the 3-Year Free Service Maintenance Package worth ₹ 5500, kindly contact authorised main dealers and associate dealers. *Above scheme can be withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B variant for Chhattisgarh State. ^For more information contact nearest dealers. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: AKALTARA: Bhagwati Honda - 9827527016, 9425229083; AMBIKAPUR: Mahamaya Honda - 7489027000, 7489026000, 7489025000; Jaswani Honda - 8358065000, 8358063000; BAIKUNTHPUR: Pramila Honda - 7000405012, 9754679867; BARADWAR: Ganpati Honda - 7974875687; BILASPUR: Dream Honda - 07752-400957, 07752-409057, 9926802408; Maosaji Honda - 07752-412020, 7024149881; BILHA: Sai Honda -9179256022, 9827138322: KAWARDHA: Pratha Honda - 7400550099, 7400540099; DHARAMJAIGARH: Harsh Honda - 9424180180; DIPKA: Kamal Honda - 9111144667; JANJGIR CHAMPA: Gattani Honda - 07817-222396, 7694011206, 7694011208; Shubh Honda (Baloda) - 8574921111; JASHPUR: Deo Narayan Honda - 9406108464, 9425251702; KHARSIA: Balaji Honda - 8269515770; KORBA: Vishal Honda - 07759-222509, 9479025937, 7987973739; Krishna Korba Honda - 7747015377, 6232103020, 6232103021; JP Honda (Hardi Bazar) - 9826129114; Ashwini Honda (Urga) - 6232103023; Bharat Honda (GevraBasti) - 09301001739; KOTA: Prakash Honda- 9826417995; KUNKURI: Mansharam Honda - 8103798783; LAILUNGA: Atul Honda - 9424188280; LORMI: Mansi Honda - 9685010000; MANENDRAGARH: Harsh Honda - 9993883343; MASTURI: Rahul Honda - 9098619245, 7898410560; PALI: Mahamaya Honda - 8770804342; PAMGARH: Gautam Honda - 8962109746; PANDARIYA: Shri Balaji Honda - 7399330099; PATHALGAON: Dinesh Honda - 9993199987; PENDRA ROAD: Dev Honda - 9752998221; RAHOD: Shri Balaji Honda - 9977311242; RAIGARH: Sharda Honda - 8103664400, 9300473589; Shanti Auto Honda - 9343609280, 9343609281; RAJPUR: Maa Mahamaya Honda - 9424259688; RAMANUJGANJ: Vikas Honda - 9926158656; RATANPUR: Sunil Honda - 9893354893; SAKTI: Maa Durga Honda - 9685927215; SARAIPALI: Pukhraj Honda - 8889798000; SARANGARH: Akshat Honda - 9406353035; SARSIVA: Kanisk Honda - 9575533947; SHEORINARAYAN: Arav Honda - 8109955535; SITAPUR: Akash Honda - 9617378301; PRATAPUR: Shri Banbhori Honda - 8120806101; SURAJPUR: Shri Om Honda - 9826774095, 9926684331; TAKHATPUR: Dream Honda - 9303005917, 8839264059; TAPKARA: Jindal Honda - 9406384666; WADRUFNAGAR: KP Auto - 9826881578; BILASPUR SAKRI: Dream Honda Branch - 9516661444; BILASPUR DAYALBANDH: Maosaji Honda Branch - 07752-417070, 417171, 9109690484; GAURELLA: Shyam Honda - 7024806222; AHIWARA: Kabiram Honda - 8319225193; Shree Sairam Honda (Risali) - 0788 4067690, 8823050333; DANTEWADA: Ansh Honda - 7000396031; NEHRU NAGAR: Aan Honda - 8581020999; MUNGELI: S. Mansi Honda - 9685010000.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com